कार्तिक कृष्ण - 5 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 127 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 02-12-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 टी20 विश्व कप 2024 तक कप्तान रहें रोहित, कहा गांगुली ने

6 अमित शाह ने बंगाल से फूंका 2024 का चुनावी बिगुल

फर्स्ट टेक

मिजोरम विस चुनाव की मतगणना अब चार को होगी

आइजोल/वार्ता। भारत चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना की तारीख बदलकर चार दिसंबर कर दी। ईसीआई ने पहले मिजोरम के लिए चार अन्य राज्यों के साथ मतगणना का दिन तीन दिसंबर को निर्धारित किया था जहां भी चुनाव हुये हैं। राज्य के राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और छात्र निकायों ने ईसीआई को बार-बार अभ्यावेदन भेजकर अनुरोध किया था कि मतगणना की तारीख तीन दिसंबर - रविवार - को बदल दिया जाये।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पोल एक्जिट

अपनी-अपनी गणनाओं का,
एक्जिट पोल करे गुणगान।
जीत-हार के चीख-चीख कर,
फैंक रहे अपने अनुमान।
कितने सिर पर बाल बताओ,
नाई से पूछे यजमान।
बोला 'सब्र करो कुछ पल में',
मुंह आगे होंगे श्रीमान।।

स्वार्थ छोड़कर, स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त बनाएं बड़े देश : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अध्यक्षता में आयोजित विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन (सीओपी-28) में विशेष संबोधन में इस आह्वान के साथ ग्रीन क्रेडिट पहल की घोषणा की और सभी देशों से इससे जुड़ने की अपील भी की।

दुबई/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक समुदाय का आज आह्वान किया कि जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उन्हें स्वार्थ प्रेरित सोच के अंधेरे से बाहर निकलना होगा और ऊर्जा संक्रमण, न्यायपूर्ण, समावेशी एवं समानतापूर्ण बनाने के लिए दूसरे देशों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुलभ करके स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त बनाना होगा।

मोदी ने यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अध्यक्षता में आयोजित विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन (सीओपी-28) में विशेष संबोधन में इस आह्वान के साथ ग्रीन क्रेडिट पहल की घोषणा की और सभी देशों से इससे जुड़ने की अपील भी की। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुटेरस भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने विश्व नेताओं को दो टूक शब्दों में नसीहत देते हुए कहा, पिछली शताब्दी की गलतियों को सुधारने के लिए हमारे पास बहुत ज्यादा समय नहीं है। मानव जाति के एक छोटे हिस्से ने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया। लेकिन इसकी कीमत पूरी मानवता विशेषकर ग्लोबल साउथ के निवासियों को चुकानी पड़ रही है। सिर्फ मेरा भला हो, ये सोच, दुनिया को एक अंधेरे की तरफ ले जाएगी। इस हॉल में बैठा प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक राष्ट्राध्यक्ष बहुत बड़ी जिम्मेदारी के साथ यहां आया है। हम में से सभी को अपने दायित्व निभाने ही होंगे। पूरी दुनिया आज हमें देख रही है, इस धरती का भविष्य हमें देख रहा है। हमें सफल होना ही होगा।

मोदी ने कहा, हमें निर्णायक होना होगा। हमें संकल्प लेना होगा कि हर देश अपने लिए जो जलवायु लक्ष्य तय कर रहा है, जो संकल्प कर रहा है, वो पूरा करके ही दिखाएगा। हमें एकता से काम करना होगा। हमें संकल्प लेना होगा कि हम मिलकर काम करेंगे, एक दूसरे का सहयोग करेंगे, साथ देंगे। हमें वैश्विक कार्बन बजट में सभी विकासशील देशों को उचित शेयर देना होगा। हमें अधिक संतुलित होना होगा।

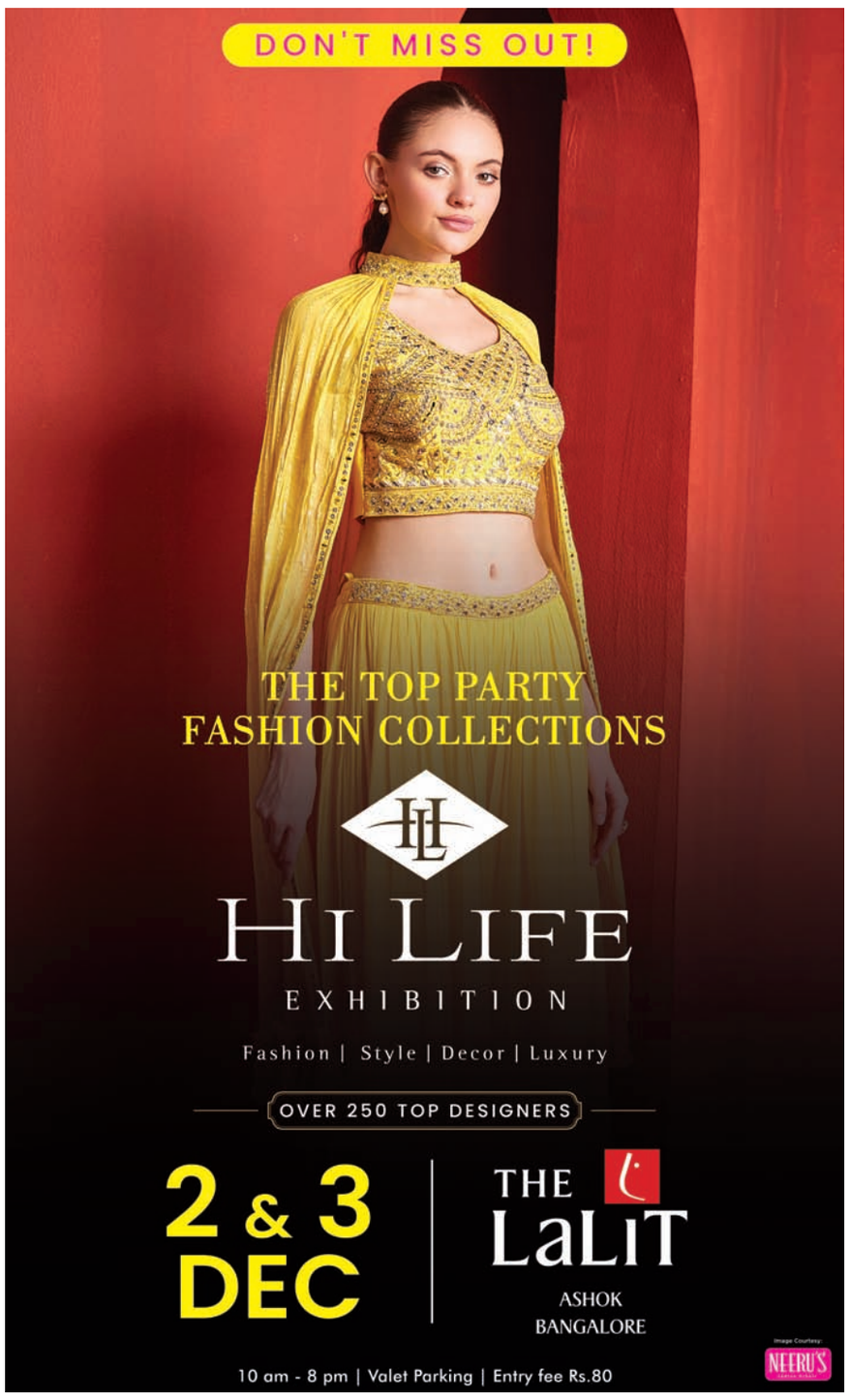

विकसित देशो में प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन वैश्विक औसत का दोगुना या तीन गुना है: आरके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने शुक्रवार को कहा कि विकसित देशो में प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन वैश्विक औसत का दोगुना या तीन गुना है और इसे कम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय जारी संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन या सीओपी28 में इस पर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने भारत द्वारा चरणबद्ध तरीके से कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने के मुद्दे को 'विकास विरोधी ताकतों' का 'ध्यान हटाने की चाल वाला विषय' करार दिया।

'एनर्जी ट्रांजीशन इन इंडिया-रोड ट्रैवेल्ड एंड अपॉर्च्युनिटीज अहेड' (भारत में ऊर्जा प्रणाली का परिवर्तन-अब तक का सफर और आगे के अवसर) पर केंद्रित एक सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में सिंह ने कहा कि भारत प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन के लिहाज से दुनिया के उन देशो में शामिल है जहां यह उत्सर्जन बहुत कम है।

सिंह ने कहा, ''हमारे देश में प्रति व्यक्ति सालाना उत्सर्जन 2.19 टन है जो दुनियाभर में उत्सर्जन के सबसे कम आंकड़ों में से एक है, इसके विपरीत वैश्विक औसत 6.8 है। हम इकलौते देश हैं जिसने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को नौ साल पहले ही हासिल कर लिया है। हमने संकल्प लिया था कि 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर के मुकाबले ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में 33 फीसदी तक कमी कर देंगे, लेकिन हमने यह लक्ष्य वर्ष 2019 में ही हासिल कर लिया।'' उन्होंने कहा कि भारत ने संकल्प लिया था कि 2030 तक 40 फीसदी बिजली का उत्पादन गैर जीवाश्म ईंधन से होगा, लेकिन इस लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर लिया गया और फिलहाल देश में गैर जीवाश्म ईंधन से उत्पादित बिजली का योगदान 43 फीसदी है।

'बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र का बढ़ना पंजाब पुलिस की शक्तियों पर अतिक्रमण नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मौखिक रूप से कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी का अधिकार क्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर दूर तक करने के केंद्र सरकार के फैसले से पंजाब पुलिस की शक्तियों पर अतिक्रमण नहीं हुआ है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पंजाब सरकार के 2021 के वाद पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

उसने केंद्र की ओर से पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और पंजाब सरकार का पक्ष रख रहे वकील शादान फरासत से साथ में बैठकर उन मुद्दों पर निर्णय संयुक्त रूप से करने को कहा जिन पर पीठ को फैसला करना है। पीठ ने कहा, ''दोनों पक्ष आपस में विचार-विमर्श करेंगे ताकि अगली तारीख से पहले इन्हें निपटाया जा सके।'' उसने कहा कि पंजाब के महाधिवक्ता इस बैठक में भाग ले सकते हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने रिकॉर्ड का अध्ययन करने के बाद प्रथम दृष्टया कहा कि ऐसे समवर्ती अधिकार हैं जिनका इस्तेमाल बीएसएफ और राज्य पुलिस दोनों कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''पंजाब पुलिस से जांच का

विवाद से विश्वास: सरकार ने 43,000 से अधिक एमएसएमई दावों का निपटारा किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने विवाद समाधान योजना 'विवाद से विश्वास-1' के तहत एमएसएमई के 700 करोड़ रुपये के 43,904 'रिफंड' दावों का निपटान किया है। इस योजना के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) कोविड-19 महामारी के दौरान काम समय पर पूरा नहीं होने के चलते सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा जब्त की गई प्रदर्शन जमानत या बोली जमानत राशि का 95 प्रतिशत तक वापस लेने का दावा कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में घोषित यह योजना 17 अप्रैल को खुली और सरकारी खरीद पोर्टल जेम पोर्टल पर दावे जमा करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई थी। वित्त सचिव टी वी सोमनाथन ने कहा, 'विवाद से विश्वास योजना के तहत भारत सरकार ने एमएसएमई के कुल 43,904 दावों का निपटान किया गया है और लगभग 700 करोड़ रुपये की राशि वापस की है।' उन्होंने कहा कि योजना के तहत लगभग 4,000 'रिफंड' दावों पर फैसला होना बाकी है। सोमनाथन ने कहा कि इस योजना ने कई एमएसएमई को राहत दी है।

भाजपा ने अजित पवार को शरद पवार का राजनीतिक कॅरियर खत्म करने की 'सुपारी' दी है: देशमुख

वर्धा/भाषा। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि उप मुख्यमंत्री अजित पवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार का राजनीतिक कॅरियर समाप्त करने की 'सुपारी' दे दी है। राकांपा के शरद पवार नीत खेमे से जुड़े देशमुख बृहस्पतिवार को वर्धा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

जुलाई में अजित पवार और राकांपा के 8 अन्य विधायक एकनाथ शिंदे नीत भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे और राकांपा में विभाजन हो गया था। देशमुख ने कहा कि पूरा महाराष्ट्र और भारत जानता है कि भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद अजित पवार और उनके साथ पार्टी छोड़कर आए लोग जल्दबाजी में सरकार में शामिल हो गए थे। राकांपा में विभाजन से पहले मोदी ने पार्टी पर 70,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया था। देशमुख ने कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा, ''क्या आप जानते हैं कि उन्होंने (अजित पवार ने) अलग रास्ता क्यों अपनाया? वरिष्ठ राकांपा नेता वो परेशानी नहीं झेलना चाहते थे जो मैंने सही।'' अजित पवार के समर्थक उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं, पूछे जाने पर देशमुख ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ सहयोगी दलों में क्या फैसला हुआ है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

पेंशनभोगियों ने 1.15 करोड़ डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार किए: केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हाल में संपन्न विशेष अभियान के दौरान देश भर में पेंशनभोगियों ने 1.15 करोड़ डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार किये। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई।

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक से 30 नवंबर तक दूसरे चरण के राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान के सफल समापन के लिए पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग को बधाई दी। कार्मिक मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को लागू करने के लिए अभियान चलाया गया था। सिंह ने कहा कि सरकार पेंशनभोगियों के कल्याण में सुधार के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है और यह अभियान पेंशनभोगियों के जीवन को सुगम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रव्यापी अभियान के दौरान 100 शहरों में 597 स्थानों पर 1.15 करोड़ डीएलसी उत्पन्न हुए, जिनमें केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए 38.47 लाख, राज्य सरकार के पेंशनभोगियों के लिए 16.15 लाख और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) पेंशनभोगियों के लिए 50.91 लाख डीएलसी शामिल थे। बयान में कहा गया, ''डीएलसी जमा करना निरंतर चलने वाली गतिविधि है क्योंकि 35 लाख से अधिक रक्षा पेंशनभोगी अपनी सेवानिवृत्ति के महीने में जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं। मार्च 2024 तक, उम्मीद है कि कुल डीएलसी का आंकड़ा 50 लाख को पार कर जाएगा।'' बयान में कहा गया है कि डीएलसी की आयु-वार पीढ़ी के विश्लेषण से पता चलता है कि 90 साल से अधिक उम्र के 24,000 से अधिक पेंशनभोगियों ने डिजिटल माध्यम का इस्तेमाल किया।

सुर्खियों में बने रहने की नेताओं की लालसा पर राहुल ने कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के अपने राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नेतृत्व सभी लाउडस्पीकर और कैमरों को अपनी दिशा में मोड़ना पसंद करते हैं, लेकिन वह माइक का मुंह जनता की ओर मोड़ना पसंद करते हैं।

यहां प्रसिद्ध लेखक टी पद्मनाभन को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा पहला प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किए जाने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि नेता बड़े मजेदार किस्म के लोग होते हैं, और लाउडस्पीकर हमेशा उनके सामने रहता है। गांधी ने कहा, यह (लाउडस्पीकर) भीड़ की तरफ नहीं होता क्योंकि हम खुद को बोलते हुए सुनना पसंद करते हैं। हर बार जब मैं वहां जाता हूं, तो मैं लाउडस्पीकर को दूसरी तरफ मोड़ देता हूं। मुझे लगता है, आज के भारत में, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि लाउडस्पीकर का मुंह दूसरी ओर किया जाए। अगर आप दिल्ली में अपने नेतृत्व को देखें, तो सभी लाउडस्पीकर और कैमरे उन्हीं की दिशा में लगे होते हैं।' उन्होंने कहा कि निस्संदेह, पद्मनाभन जैसे लेखकों और उनके (राहुल गांधी) जैसे राजनीतिक नेताओं के बीच एक बड़ा अंतर है।

कांग्रेस नेता ने कहा, '' नेताओं की तुलना में पद्मनाभन के लिए सच बोलना बहुत आसान है। यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने बिना किसी अपवाद के पूरे जीवन किया है।''

राम करण यादव ने मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

मुंबई/भाषा। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी राम करण यादव को मध्य रेलवे का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। मध्य रेलवे ने एक बयान में कहा कि यादव 'इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इंजीनियर्स' (आईआरएसई) के 1986 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने शुक्रवार को कार्यभार संभाल लिया। मध्य रेलवे में शामिल होने से पहले यादव पुणे में 'इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग' के महानिदेशक थे। यादव को नरेश लालवानी के स्थान पर नियुक्त किया गया है। लालवानी बृहस्पतिवार को सेवानिवृत्त हो गए। यादव ने 1985 में आईआईटी रूड़की से सिविल इंजीनियरिंग (ऑनर्स) में स्नातक किया और वह मार्च 1988 में रेलवे में शामिल हो गए। उन्होंने 1987 में आईआईटी दिल्ली से एमटेक (मृदा यांत्रिकी और फाउंडेशन इंजीनियरिंग) भी किया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 5.07 अरब डॉलर बढ़कर 595.39 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.14 अरब डॉलर बढ़कर 528.53 अरब डॉलर हो गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.34 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार एसडीआर 8.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.22 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में आईएमएफ के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर हो गया।

जनता के पास 2,000 रुपये के कुल 9,760 करोड़ रुपये के नोट अब भी मौजूद : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि 2,000 रुपये के करीब 97.26 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं, जबकि ऐसे 9,760 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी जनता के पास मौजूद हैं। आरबीआई ने 19 मई को 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, '' 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर चलन में रहे 2,000 रुपये के नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। 30 नवंबर 2023 को यह घटकर 9,760 करोड़ रुपये रह गया।'' आरबीआई के मुताबिक, इस तरह 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2,000 रुपये के कुल नोट में से 97.26 प्रतिशत से अधिक अब वापस आ चुके हैं। बयान में कहा गया, '' 2,000 रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।'' लोग देश भर में आरबीआई के 19 कार्यालयों में 2,000 रुपये के बैंक नोट जमा करा सकते हैं या उन्हें बदल सकते हैं। लोग अपने 2,000 रुपये के नोट सीधे अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए उन्हें बीमाकृत डाक के जरिए रिजर्व बैंक के निर्दिष्ट क्षेत्रीय कार्यालयों में भेज सकते हैं। इन नोट को बदलने या बैंक खातों में जमा कराने की समय सीमा पहले 30 सितंबर थी। बाद में यह समयसीमा सात अक्टूबर तक बढ़ा दी गई। बैंक शाखाओं में जमा और विनिमय दोनों सेवाएं सात अक्टूबर को बंद कर दी गई थीं।

इसके बाद आठ अक्टूबर से लोगों को आरबीआई के 19 कार्यालयों में मुद्रा का आदान-प्रदान करने या उनके बैंक खातों में समतुल्य राशि जमा करने का विकल्प प्रदान किया गया था।

इस बीच 2,000 रुपये के नोट को बदलने/जमा करने के लिए आरबीआई कार्यालयों में कामकाजी घंटों के दौरान कतारें देखी जा रही हैं।

आरबीआई के यह 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में स्थित हैं।

राहुल गांधी के विमान को उतारने की न तो अनुमति दी और न ही इनकार किया : रक्षा प्रवक्ता

कोच्चि/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ला रहे विमान को कोच्चि के नौसेना हवाई अड्डे पर उतरने की न तो अनुमति दी थी और न ही इससे इनकार किया गया था। एक रक्षा प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस के इस आरोप के बाद यह स्पष्टीकरण आया है कि रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार तड़के गांधी के विशेष विमान को नौसेना हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि कोच्चि में स्थित आईएनएस गरुड़ वायुसेना अड्डे को शुक्रवार सुबह 9:40 बजे और नौसेना मुख्यालय को लगभग सवा 10 बजे कन्नूर से 10:45 बजे उड़ान भरने वाले एक विमान को उतारने की अनुमति देने का अनुरोध मिला था। उन्होंने कहा, देर से किए गए अनुरोध और उड़ान के प्रस्थान से पहले समय की कमी के कारण, इसके लिए मंजूरी की प्रक्रिया नहीं की जा सकी। इससे पहले दिन में, एर्नाकुलम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद शियास ने आरोप लगाया था कि रक्षा मंत्रालय ने शुरू में नौसेना अड्डे पर विमान उतारने की अनुमति दी थी लेकिन बाद में यह अनुमति वापस ले ली गयी।

मराठी साइनबोर्ड : मनसे ने पुणे में विरोध प्रदर्शन किया

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने पुणे के जेएम रोड इलाके में कई दुकानों पर मराठी में साइनबोर्ड नहीं होने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बहुराष्ट्रीय ब्रांड बेचने वाली दुकानों सहित कई दुकानों पर पथराव किया और अंग्रेजी साइनबोर्ड तोड़ दिए। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में मनसे कार्यकर्ता आंदोलन करते नजर आ रहे हैं। मनसे नेता अजय शिंदे ने कहा, ''हमने आंदोलन किया और उन पट्टिकाओं-साइनबोर्ड को क्षतिग्रस्त कर दिया जो मराठी में नहीं थीं। उन्हें हटा मराठी में लिखी पट्टिकाएं और साइनबोर्ड लगाए जाने चाहिए।''

एनआईटी छात्र के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कश्मीर विश्वविद्यालय में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के एक गैर-स्थानीय छात्र के कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ यहां कश्मीर विश्वविद्यालय परिसर में शुक्रवार को मार्च निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की नमाज के बाद शहर के हजरतबल इलाके में स्थित विश्वविद्यालय परिसर में मार्च निकाला गया। एनआईटी छात्र के ''अपमानजनक'' सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ बड़ी संख्या में छात्रों ने मार्च निकाला। अधिकारियों ने कहा कि मार्च शांतिपूर्ण था और प्रदर्शनकारियों ने पैगंबर मोहम्मद के पक्ष में नारे लगाए। उन्होंने कहा कि छात्राओं सहित प्रदर्शनकारियों को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। बाद में वे शांतिपूर्वक चले गए।

सोशल मीडिया पर कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले पोस्ट को लेकर मंगलवार को एनआईटी, श्रीनगर में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गैर-स्थानीय छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, जिसे छुट्टी पर घर भेज दिया गया है।

पुलिस ने छात्र के खिलाफ समुदायों के बीच धार्मिक शत्रुता को बढ़ावा देने का मामला दर्ज किया है। एहतियात के तौर पर तय समय से 10 दिन पहले बृहस्पतिवार को एनआईटी को शीतकालीन अवकाश के लिए बंद कर दिया गया।

सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ बुधवार को यहां अमर सिंह कॉलेज और इस्लामिया कॉलेज में भी विरोध प्रदर्शन किया गया।

टाटा मोटर्स की नवंबर में कुल बिक्री 1.73 प्रतिशत घटकर 74,172 इकाई

नई दिल्ली/भाषा। देश की प्रमुख वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की नवंबर में कुल वैश्विक बिक्री 1.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,172 इकाई रही। कंपनी की नवंबर 2022 में कुल वैश्विक बिक्री 75,478 इकाई रही थी। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 72,647 इकाई रही, जो नवंबर 2022 में 73,467 इकाई से एक प्रतिशत कम है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) सहित यात्री वाहनों (पीवी) की कुल बिक्री भी सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 46,143 इकाई रही। यह एक साल पहले इसी महीने में 46,425 इकाई थी। घरेलू बाजार में ईवी सहित पीवी की बिक्री पिछले महीने 46,068 इकाई रही, जो नवंबर 2022 में 46,037 इकाई थी। टाटा मोटर्स के अनुसार, नवंबर 2023 में उसकी वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) की कुल बिक्री चार प्रतिशत घटकर 28,029 इकाई रही, जो पिछले साल के समान महीने में 29,053 इकाई थी।

सेंसेक्स 11 सप्ताह के उच्च स्तर पर, निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जीडीपी और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ें बेहतर रहने के बीच विदेशी निवेशकों का सकारात्मक रुख बने रहने से शुक्रवार को घरेलू बाजार का प्रमुख सूचकांक निफ्टी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 493 अंक उछलकर 11 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स 492.75 अंक यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 67,481.19 अंक पर बंद हुआ। यह 18 सितंबर के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। कारोबार के दौरान एक समय यह 575.89 अंक तक बढ़कर 67,564.33 पर पहुंच गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी इस तेजी के बीच 134.75 अंक यानी 0.67 प्रतिशत चढ़कर 20,267.90 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 20,291.55 के रिकॉर्ड स्तर को भी छुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील में खासी तेजी रही। दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, मारुति, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजारों में लगातार खरीद कर रहे हैं। एफआईआई ने बृहस्पतिवार को 8,147.85 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में उम्मीद से कहीं अधिक 7.6 प्रतिशत रही। इस तरह भारत ने दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का अपना तमगा बरकरार रखा है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, जीडीपी के अनुमान से बेहतर आंकड़े वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वृद्धि का नजरिया देंगे और इससे बाजार को तेजी की रफ्तार कायम रखने का उत्साह मिलेगा। वाहनों के मासिक बिक्री आंकड़ों से भी उत्साह नजर आया।

बेंगलूरु के 68 विद्यालयों में बम होने संबंधी धमकी मिली

छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया ■ जांच में बम की खबर अफवाह निकली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शुक्रवार सुबह 68 निजी विद्यालयों को एक ई-मेल मिला जिसमें उनके परिसर में बम होने का दावा किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह ई-मेल मिलने के बाद स्कूल के कर्मचारी और छात्रों के अभिभावक घबरा गए। पुलिस ने बताया कि स्कूल प्राधिकारियों ने पुलिस को तत्काल इसकी जानकारी दी जिसके बाद वह बम निरोधक दस्ते और दलों के साथ संबंधित संस्थानों में पहुंची। उसने संकेत दिया कि बम की धमकी फर्जी हो सकती है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने पुलिस से ई-मेल और उसके स्रोत की गंभीरता से जांच करने और एहतियात के तौर पर स्कूलों और मंदिरों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है।

प्रदेश के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि एक ईमेल से संदेश भेजा गया था। ईमेल में कहा गया कि बेंगलूरु में स्कूलों में बम रखा गया है और इसमे बच्चों तथा कर्मचारियों को मारने की धमकी दी गई थी। उन्होंने कहा, ''हम गंभीरता से मामले की और इसके स्रोत की जांच कर रहे हैं। मैंने आयुक्त और अधिकारियों से बात की है और उन्हें यह पता लगाने के निर्देश दिए हैं कि यह सही है या फर्जी....।'' उन्होंने कहा, ''हम इसकी जांच कर रहे हैं कि इसके पीछे किसका हाथ है और क्या इसमें किसी आतंकवादी संगठन का हाथ तो नहीं है और उसके अनुसार कदम उठाएंगे। अभी यह नहीं बताया जा सकता कि इसके पीछे कौन है..।''

पुलिस आयुक्त दयानंद ने बताया कि 'जिन 68 स्कूलों में बम धमाके की धमकी मिली, उनमें से 48 शहर के भीतर स्थित हैं, जबकि बाकी बेंगलूरु ग्रामीण सीमा क्षेत्र में हैं। पश्चिम डिविजन, सेन्ट्रल डिविजन, व्हाइटफील्ड डिविजन, उत्तर डिविजन में अनेक स्कूलों के साथ बेंगलूरु ग्रामीण में 12 स्कूल इस बम की धमकी के शिकार हुए। प्रमुख स्कूलों में बसवेश्वरनगर के नेशनल स्कूल, सदाशिविनगर के नींव स्कूल, चामराजपेट के भवन बेंगलूरु प्रेस स्कूल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि छात्रों और कर्मचारियों को स्कूल परिसरों से तुरंत बाहर निकाल लिया गया और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि इन सभी स्कूलों में बम का पता लगाने और निष्क्रिय करने वाले दस्ते भेजे गए थे और संभवत: यह एक अफवाह लगती है। उन्होंने कहा, इससे पहले भी स्कूलों में इसी तरह के धमकी भरे पत्र और ईमेल आए थे और उन्हें शरारत के लिए भेजा गया व फर्जी पाया गया था तथा पुलिस ने इसके पीछे के लोगों की पहचान की थी। पुलिस आज भेजे गए ईमेल की भी जांच कर रही है...अधिकारी और कर्मी इन सभी स्थानों पर गए हैं। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे चिंता न करें, क्योंकि संभवत: ये सभी फर्जी कॉल (मेल) हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तलाशी अभियान लगभग पूरा हो गया है और अब तक, हमारी टीम को किसी भी स्कूल परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया यह फर्जी संदेश प्रतीत होता है। हम इस संबंध में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में हैं और गहन जांच की जा रही है।''

ईमेल से मिली धमकी के बारे में पता चलने से पहले ही बच्चे स्कूल पहुंच गए थे। घबराए हुए माता-पिता अपने बच्चों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए अपने-अपने कार्यालयों और घरों से स्कूल पहुंचे। जिन स्कूलों में बम रखा होने की धमकियां दी गईं उनमें से कई के छात्रों ने बताया आज उनकी परीक्षाएं थीं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, ''मैंने पुलिस अधिकारियों से बात की है और उन्हें सभी स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने, सतर्क रहने और इसके पीछे के लोगों का पता लगाने का निर्देश दिया है।'' उन्होंने कहा, किसी को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मैंने सुरक्षा कड़ी करने और जिन स्कूलों को धमकियां मिली हैं, उनकी जांच करने को कहा है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने उन विद्यालयों में से एक स्कूल का दौरा किया जहां बम होने का दावा किया गया है। उन्होंने स्कूल और पुलिस से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा, टीवी पर समाचार देखकर मैं थोड़ा परेशान हो गया था, क्योंकि कुछ ऐसे विद्यालयों का जिक्र किया गया है जिन्हें मैं जानता हूं और जो मेरे घर के पास हैं, इसलिए मैं स्थिति का पता लगाने बाहर गया। पुलिस ने मुझे मेल दिखाया है। प्रथम दृष्टया यह फर्जी प्रतीत हो रहा है। मैंने पुलिस से बात की... लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए। माता-पिता चिंतित हैं, लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।'' शिवकुमार ने माता-पिता से चिंता न करने की अपील की और कहा कि उनके बच्चे सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा, कुछ शरारती लोगों ने ऐसा किया होगा। हम 24 घंटे में उन्हें पकड़ लेंगे। अपराध शाखा पुलिस सक्रिय है, वे अपना काम कर रहे हैं... हमें भी सतर्क रहना चाहिए।''

इस बीच, विपक्ष ने इस मामले पर सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। भाजपा और जद(एस) ने असामाजिक तत्वों में पुलिस को लेकर डर की कमी का आरोप लगाया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कहा, राज्य में असामाजिक ताकतों को पुलिस का कोई डर नहीं है। नतीजतन, बदमाशों ने निडर होकर यह संदेश फैलाकर भय का माहौल बनाने की कोशिश की है कि बेंगलूरु के कुछ स्कूलों में बम रखे गए हैं।

जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि ऐसी घटनाओं से, कुछ निहित स्वार्थ वाले लोग जनता के बीच भय या दहशत का माहौल पैदा करने में कामयाब रहे।

'कांग्रेस बम लगाने वालों का समर्थन करती है' कहकर विवाद में घिरे विधायक मुनिरत्ना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के भाजपा विधायक एन. मुनिरत्ना ने शुक्रवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि कांग्रेस बम लगाने वालों का 'समर्थन' कर रही है। मुनिरत्ना ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कांग्रेस के समर्थन के कारण स्कूलों में बम की धमकियां बढ़ रही हैं। बेंगलूरु के करीब 15 स्कूलों को बम की धमकी वाले मेल मिले जो अफवाह निकले। मुनिरत्ना ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने राज्य सरकार से अपने मंत्रियों को जिम्मेदारी के साथ बोलने के लिए कहने का आह्वान किया और कहा कि राज्य के आवास मंत्री बी.जेड. ज़मीर अहमद खान की टिप्पणी कि कर्नाटक में कांग्रेस ने सभी विधायकों को एक मुस्लिम स्पीकर को सलाम करने के लिए मजबूर किया है, ने लोगों को आहत किया है। हालांकि, खान ने बाद में इस टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी। हाल ही में बम धमकी की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा था कि बुरी ताकतों का इरादा कानून-व्यवस्था को नष्ट करने का है। कुमारस्वामी ने कहा, इन धमकी भरे मेल और पत्रों की उचित जांच की जानी चाहिए।

ईमेल में मिली जिहादी सामग्री

बेंगलूरु। पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बेंगलूरु के 15 से अधिक स्कूलों को भेजे गए बम धमकी वाले ईमेल में कुछ जिहादी सामग्री है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि पत्र में कहा गया है, इस्लाम अपना लो या इस्लाम की तलवार के वजन के नीचे मर जाओ। बिस्मिल्लाह, हम अल्लाह के सच्चे धर्म को पूरे भारत में फैलाएंगे। धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया, आपके पास हमारे गुलाम बनने या अल्लाह के सच्चे धर्म को स्वीकार करने का विकल्प है। मंदिर, आपकी मूर्तियां, बुद्ध से लेकर अनंत तक, वे हमारे विस्फोटों से उड़ जाएंगे। ईमेल में आगे कहा गया कि स्कूल परिसर में विस्फोटक उपकरण हैं। मुंबई आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए, ईमेल में दावा किया गया कि 26 नवंबर को, अल्लाह की राह में शहीदों ने सैकड़ों मूर्तिपूजकों को मार डाला।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने चिकपेट की ली सुध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार शाम को साउथ एंड सर्कल में केम्पेगौड़ा नगर के राजस्व अधिकारी कार्यालय का दौरा किया और संपत्ति रिकॉर्ड की डिजिटलीकरण प्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व अधिकारी ने कार्यालय में चल रही परिसंपत्ति पुस्तकों की स्कैनिंग देखी।

उपमुख्यमंत्री ने सिल्वर जुबली पार्क (एसजेपी) जंक्शन से एसपी रोड होते हुए हडसन रोड (फुटब्रिज तक) तक 500 मीटर की सड़क को व्हाइट टैपिंग किये जा रहे साइट का निरीक्षण किया गया। इस समय, धर्मराय स्वामी मंदिर के सामने सड़क बहुत क्षतिग्रस्त थी और उन्होंने अधिकारियों को अस्थायी रूप से सड़क की मरम्मत करने और व्हाइट टॉपिंग का काम जल्दी करने का निर्देश दिया।

गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र में बीवीके अयंगर रोड और ओटीसी रोड के बीच चिक्कपेट सर्कल के पास किल्लारी रोड, आरटी स्ट्रीट रोड, एएस आचार स्ट्रीट रोड जैसे क्रॉस रोड के व्यापक विकास के तहत व्हाइट टॉपिंग, फुटपाथ विकास और अन्य आवश्यक कार्य करने की योजना तैयार की गई है। और उन्होंने अधिकारियों को तेजी से काम शुरू करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने चिक्कपेट सर्कल में ओएफसी केबलों की अनाधिकृत स्थापना की जांच की और इसे तुरंत साफ करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्ट्रीट लाइटें लगवाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि मुख्य सड़क जहां धनवंतरी रोड और गुब्बी थोटाडप्पा रोड के बीच मैजेस्टिक बीएमटीसी बस स्टैंड है, उसे बीएमटीसी से निगम को सौंप दिया जाना चाहिए और एक व्हाइट टॉपिंग सड़क के रूप में बनाया जाना चाहिए।

मैजेस्टिक रोड बहुत खड़ी है और अधिकारियों को इसे अस्थायी रूप से मरम्मत करने और फिर व्हाइट टॉपिंग का काम करने का निर्देश दिया गया है।

इस मौके पर उनके साथ बीबीएमपी आयुक्त तुषारगिरि, बीबीएमपी के विशेष आयुक्त मुनीष मौदगिल, जोनल आयुक्त विनोथ प्रिया, प्रधान अभियंता प्रह्लाद, राजस्व विभाग के संयुक्त आयुक्त, मुख्य अभियंता, राजस्व अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रख्यात वैज्ञानिक आरए माशेलकर ने कर्नाटक से बौद्धिक संपदा नीति बनाने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. रघुनाथ अनंत (रमेश) माशेलकर ने शुक्रवार को सिफारिश की कि कर्नाटक सब्सिडी और अनुदान के जरिये नवोन्वेषी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) को प्रोत्साहन देकर एक बौद्धिक संपदा नीति बनाने में अग्रणी भूमिका निभाए। 'बेंगलूरु टेक समिट 2023' के 26वें संस्करण में एक पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''राज्य एक ज्ञान की राजधानी (नॉलेज कैपिटल) और नवाचार केंद्र है, लेकिन विकास के क्षेत्र में अगली छलांग के लिए हमें तेजी से नवाचार नीत क्रमिक विकास से मिसाल बनने वाले विकास की ओर बढ़ना होगा।'' उन्होंने विकास की इस 'रणनीति को एक्सप्रूवमेंट' करार दिया।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक ने स्टार्ट-अप से बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस) के ध्येय वाक्य सीमाओं से परे' का अनुसरण ना केवल भौगोलिक क्षेत्र में करने के लिए बल्कि अपने मन में भी इसका अनुसरण करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा, ''उत्कृष्टता की सीढ़ियों की कोई सीमा नहीं है और कंपनियों को छलांग लगाने के बजाय ऊंची छलांग के जरिये बढ़त बनाने का हुनर सीखना होगा।'' शानदार ''40 फीसदी राज्य'' होने के लिए कर्नाटक की सराहना करते हुए वैज्ञानिक ने कहा, कर्नाटक में 40 प्रतिशत ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) हैं, देश की 40 फीसदी साफ्टवेयर प्रतिभा है, 40 प्रतिशत यूनीकॉर्न हैं और इसका देश के निर्यात में 40 फीसदी योगदान है।''

उन्होंने कहा कि भारत के पास प्रति अमेरिकी डॉलर सबसे ज्यादा बौद्धिक पूंजी है, यही कारण है कि भारतीय नवोन्मेष दुनिया में धूम मचा रहा है।

माशेलकर ने राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला के एक साल के भीतर अंतरराष्ट्रीय परामर्श संगठन बनने और हाल ही में भारत के यूपीआई नवोन्मेष का उदाहरण दिया जिसके तहत वर्ष 2022 में 74.05 अरब से अधिक लेनदेन हुए, जो दुनिया के लेनदेन का 46 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यूपीआई को अब भूटान और सिंगापुर में भी स्वीकार किया जा रहा है।

आईपीएल मीडिया अधिकारों की कीमत 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है : धूमल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अध्यक्ष अरुण धूमल का मानना है कि अगर खेल प्रेमियों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए लीग में नयापन और सुधार होता रहे तो इसके मीडिया अधिकारों की कीमत अगले दो दशक में 50 अरब डॉलर (50 बिलियन) तक पहुंच सकती है। इस समय आईपीएल के पांच साल के लिए मीडिया अधिकारों की कीमत करीब 48000 करोड़ रूपये (6.2 बिलियन डॉलर) है। इस तरह कीमत के हिसाब से नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के बाद आईपीएल दूसरे नंबर की लीग है। एनएफएल ने पिछले साल 11 वर्ष के लिए 110 बिलियन डॉलर की कीमत का करार किया है।

धूमल ने यहां 'आरसीबी इनोवेशन लैब्स' के 'लीडर्स मीट इंडिया' कार्यक्रम में कहा, अगर मुझे देखना है कि यह पिछले 15 साल में कैसा रहा और आगे यह कैसा होगा तो हमें आईपीएल के मीडिया अधिकारों के करीब 2043 तक 50 बिलियन डॉलर (50 अरब डॉलर) के करीब पहुंचने की उम्मीद है। धूमल भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरूआत और क्रिकेट के 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किये जाने से भी वित्तीय लाभ की उम्मीद जतायी।

हत्या के मामले में दोषी को चार वर्ष के कारावास की सजा

इरोड। तमिलनाडु के इरोड कस्बे में साढ़े चार साल से अधिक समय पहले गलती से एक जोड़ी जूते बावड़ी में गिरा देने को लेकर 12 वर्षीय लड़के की हत्या के मामले में एक व्यक्ति को चार साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। यहां पेरुंदुरई के अधीनस्थ न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को सतीश उर्फ गोपाल को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई, जो अपराध के समय 27 वर्ष का था। अभियोजन पक्ष के अनुसार 12 मई, 2019 को हुई इस घटना में, इरोड के पेरुंदुरई का 12 वर्षीय बालमुरुगन नहाने के लिए एक बावड़ी में गया था, उसी समय उस इलाके का रहने वाला सतीश वहां अपना चेहरा धो रहा था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, जब बालमुरुगन कुएं से बाहर आ रहा था, तो उसने गलती से सतीश के जूते पानी में गिरा दिए। हालांकि लड़के ने तुरंत छलांग लगाई और जूते ले आया, लेकिन गुस्साए सतीश ने उसकी पिटाई की और उसका चेहरा पानी में डुबा दिया।

नगालैंड जनजाति गौरव और अस्मिता से जुड़ा देश का महत्वपूर्ण प्रदेश : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को यहां नगालैंड राज्य स्थापना दिवस पर नगालैण्ड निवासियों से संवाद कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मिश्र ने राजभवन संवाद करते हुए कहा कि एक दिसम्बर 1963 को भारत के सोलहवें राज्य के रूप में नागालैण्ड अस्तित्व में आया। यह प्रदेश भारतीय संस्कृति के जनजातीय गौरव से जुड़ा प्राकृतिक रूप से समृद्ध राज्य है।

उन्होंने कहा कि नगालैण्ड पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण में मणिपुर एवं पश्चिम तथा उत्तर-पश्चिम में असम और पूर्व में म्यांमार (बर्मा) से घिरा सुंदर प्राकृतिक प्रदेश है। उन्होंने कहा कि जनजातीय परम्पराओं से समृद्ध यह प्रदेश भारत की आदिवासी धरोहर को भी अपने में सहेजे हुए हैं। उन्होंने नगालैंड के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ प्रदर्शनकारी कलाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का ध्येय यही है कि परस्पर एक प्रदेश दूसरे प्रदेश की संस्कृति से गहरे से जुड़ सके। इससे पहले उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन कराया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार भी मौजूद थे।

भाजपा सांसद का दावा: चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस के विधायक बेंगलूरु में डेरा डालेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को दावा किया कि विधानसभा चुनाव में जीतने वाले कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए बेंगलुरु के दो 'रिसॉर्ट' बुक किए गए हैं एवं उसके विजयी उम्मीदवार वहां डेरा डालेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' करने की आदत है और कहा कि वही प्रयास अब भी किया जा रहा है। राजस्थान विधानसभा चुनाव की 200 में से 199 सीट पर वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। मीणा भी सवाई माधोपुर सीट से उम्मीदवार हैं।

मीणा ने कहा, '' मैंने पुष्टि कर ली हैयह सही है कि बेंगलुरु में दो

रिसॉर्ट बुक कराये गये हैं और वे उनको वहां इकट्ठा करेंगे। उनकी आदत हार्स ट्रेडिंग की (खरीद फरोख्त की) है.. वे (यह) करेंगे।'' भाजपा सांसद ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर आए 'एग्जिट पोल' में एकरूपता नहीं है क्योंकि कोई भाजपा को बहुमत दे रहा है तो कुछ इसे कम दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, '' मैं खुद पूर्वी राजस्थान से चुनाव लड़ा हूं जहां जयपुर की घाट की घूणी से लेकर भरतपुर, धौलपुर तक 28 सीट है। उनमें से 22 में मैं घूमा हूं और मैं बड़े विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अबकी बार समीकरण भाजपा के पक्ष में है।''

उन्होंने कहा, ''समीकरणों की दृष्टि से जो मैंने अंडरकरेंट देखा वो भाजपा के पक्ष में है। जहां 2018 में मात्र एक सीट आई थी वहीं इस बार वहां 20 सीट आ रही है। मैं बडे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भाजपा को राजस्थान में 120 से ज्यादा सीट मिलेंगी।'' उन्होंने कहा, राजस्थान की तस्वीर बदलने जा रही है। अंडरकरेंट को भाजपा के पक्ष में कहा जा सकता है क्योंकि युवा पेपर लीक से नाखुश थे, प्रत्येक (कांग्रेस विधायक) के निर्वाचन क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर था और विधायकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सत्ता विरोधी लहर थी।

पूजा

बांसवाड़ा में शुक्रवार को माँ त्रिपुरासुंदरी जी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और उन्नति के लिए प्रार्थना करते भाजपा प्रत्याशी सतीश पूनिया।

आदिवासी पार्टी ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ में कांग्रेस की बढ़ाई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विधानसभा चुनाव में आदिवासी क्षेत्रों में बढ़े मतदान प्रतिशत को लेकर कांग्रेस थिंक टैंक कुछ आशंकित भी नजर आ रहे हैं, क्योंकि बढ़ा हुआ वोट प्रतिशत आदिवासी पार्टी की तरफ झुका तो पार्टी प्रत्याशियों की जीत पर संकट के बादल छा सकते हैं।

जयपुर। राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र में इस चुनाव में उदय हुई भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने आदिवासी सीटों पर सत्ताधारी पार्टी की चिंता सबसे ज्यादा बढ़ाई है। आदिवासी बाहुल्य सीटों पर बीटीपी और बाप कांग्रेस और भाजपा को 12 सीटों पर चुनौती दे रही है। आदिवासी बाहुल्य इलाकों में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ की करीब 28 सीटें शामिल हैं। आदिवासी क्षेत्र की 28 सीटों में उदयपुर की आठ, राजसमंद की चार, चित्तौड़गढ़ की पांच, प्रतापगढ़ की दो, बांसवाड़ा की पांच और डूंगरपुर की चार सीटें मानी जाती हैं। इसमें उदयपुर में पांच, डूंगरपुर में चार, प्रतापगढ़ में दो, बांसवाड़ा में पांच सीटें एसटी और चित्तौड़गढ़ की एक सीट एससी के लिए रिजर्व है। इन आदिवासी सीटों में गहलोत सरकार में महेन्द्रजीत मालवीय और अर्जुनलाल बामनिया मंत्री हैं तो गणेश घोगरा राजस्थान युवा कांग्रेस का अध्यक्ष रहे हैं। आदिवासी रिजर्व आठ जिलों में एसटी की आबादी करीब 46 लाख मानी जाती है।

आदिवासियों को रिझाने के लिए कांग्रेस ने इस बार कोई कसर नहीं छोड़ी। राहुल गांधी की सभाएं हुई तो सीएम अशोक गहलोत ने भी बेणेश्वर धाम के लिए खजाना खोल दिया। विधानसभा चुनाव में आदिवासी क्षेत्रों में बढ़े मतदान प्रतिशत को लेकर कांग्रेस थिंक टैंक कुछ आशंकित भी नजर आ रहे हैं, क्योंकि बढ़ा हुआ वोट प्रतिशत आदिवासी पार्टी की तरफ झुका तो पार्टी प्रत्याशियों की जीत पर संकट के बादल छा सकते हैं।

दक्षिणी राजस्थान में आदिवासी समुदाय बाहुल्य चार जिलों में बीटीपी से अलग होकर चुनाव से ठीक पहले भारत आदिवासी पार्टी बनी। बीएपी ने विधानसभा चुनाव में बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतागपढ़ जिले में कांग्रेस के भी समीकरण गड़बड़ा दिए हैं। बीएपी ने बांसवाड़ा जिले में घाटोल, बागीदौरा, डूंगरपुर जिले में चौरासी, आसपुर और सागवाड़ा सीट और प्रतापगढ़ जिले में धरियावद में प्रत्याशी खड़े कर चुनौती खड़ी की है।

बांसवाड़ा के गढ़ी और सलूम्बर में भी बीएपी उम्मीदवार टक्कर दे रहे हैं। मतदान प्रतिशत बढ़ोतरी के बाद संकेत में सामने आ रहा है कि बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और उदयपुर ग्रामीण की एक दर्जन सीटों पर बीएपी उम्मीदवारों की टक्कर बनी हुई है। कांग्रेस के मंत्री मालवीय और बामनिया तक को टक्कर मिल रही है।

दोनों दलों के नेताओं ने अपनी सरकार बनने का विश्वास जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 25 नवंबर को हुए मतदान पर एग्जिट पोल के नतीजों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में सरकार बनाने की उत्सुकता बढ़ा दी है।

मतगणना तीन दिसंबर को होगी। अब तक सामने आए चार एग्जिट पोल में से सभी में भाजपा को बढ़त बताई जा रही है। वहीं, सत्तारूढ़ कांग्रेस 60 से 90 सीट पर सिमटती नजर आ रही है। 'पोल ऑफ पोल्स' में भाजपा को 112 सीट, कांग्रेस को 77 सीट और अन्य को छह सीट मिलने की बारे में बताया गया है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, भाजपा को एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों से अधिक सीटें मिलेंगी क्योंकि कांग्रेस के खिलाफ 'अंडरकरंट' (अंदरूनी लहर) था। इस बार राजस्थान विधानसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत अधिकतम रहा जो दर्शाता है कि सत्ता विरोधी लहर थी।

तिजारा से भाजपा उम्मीदवार और सांसद बालकनाथ ने एग्जिट पोल पर कहा, राजस्थान के लोग कांग्रेस से मुक्ति चाहते हैं। भाजपा राजस्थान के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

भाजपा सांसद और झोटवाड़ा सीट से उम्मीदवार राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने संवाददाताओं से कहा कि लोग परिवर्तन चाहते हैं और तीन दिसंबर को परिणाम पार्टी के पक्ष में होगा। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि राजस्थान में 'रिवाज बदलेगा, राज नहीं' यानी एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने एग्जिट पोल पर कहा, एग्जिट पोल से संकेत मिलता है कि राजस्थान में 'राज नहीं रिवाज' बदलने वाला है क्योंकि कांग्रेस बहुमत से जीतने जा रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी और मौजूदा मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि कांग्रेस सरकार बना सकती है क्योंकि लोगों ने कांग्रेस के विकास मॉडल विश्वास जताया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना अधिक है। लोगों ने कांग्रेस के विकास मॉडल पर मुहर लगा दी है।

विश्व एड्स दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आज यहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर थे। निदेशक एड्स डॉ. सुशील कुमार परमार ने अध्यक्षता की। इस दौरान राज्य में एड्स नियंत्रण एवं जागरूकता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों, संस्थाओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

निदेशक डा माथुर ने कहा कि इस वर्ष विश्व एड्स दिवस की थीम लेट कम्यूनिटीज लीड निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य एड्स कन्ट्रोल कार्यक्रम में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना है। उन्होंने सभी संस्थाओं एवं कार्मिकों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों के उपचार, उनके अधिकारों की रक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण देखभाल का संकल्प लेने की अपील की।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान में एचआईवी से संक्रमित लगभग 59 हजार लोग उपचार ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के एचआईवी संक्रमित होने पर उसकी प्राइवेसी और आमजन की नकारात्मक सोच एक चिंता का विषय रहता है। उन्होंने इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान संचालित करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही एड्स पीड़ित व्यक्ति के परिजनों की भी स्क्रीनिंग एवं जांच करवाने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

इस अवसर पर निदेशक एड्स डॉ. सुशील परमार ने बताया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वर्तमान चरण में युवाओं को अति संवेदनशील ग्रुप के रूप चिन्हित किया गया है। प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में लगभग 755 रेड रिबन क्लब स्थापित किए गए हैं।

नवाचारों से शत-प्रतिशत टीकाकरण का हासिल करेंगे लक्ष्य : शुभ्रासिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश में नियमित टीकाकरण की दिशा में लक्ष्यों के अनुरूप बेहतर काम हुआ है। श्रीमती सिंह आज यहां स्वास्थ्य भवन में नियमित टीकाकरण के लिए गठित स्टेट टास्क फोर्स की बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नियमित टीकाकरण का लक्ष्य राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा है। इसे हमें अब शत-प्रतिशत टीकाकरण की ओर लेकर जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जिलों में निर्धारित लक्ष्यों से कम टीकाकरण रहेगा, वहां मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उन्होंने स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के होलिस्टिक रिकॉर्ड में टीकाकरण सहित अन्य शारीरिक जानकारियां शामिल करने की कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग के शाला दर्पण पोर्टल एवं विद्यार्थियों के लिए बनाए जाने वाले होलिस्टिक डेटाबेस को चिकित्सा विभाग के पीसीटीएस सॉफ्टवेयर से जोड़कर जॉइंट एक्सेस सुविधा शुरू की जाएगी। इस समेकित सिस्टम से सभी विद्यार्थियों के टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य पैरामीटर की जानकारी मिलना सुलभ हो जाएगा। इसकी जानकारी शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग दोनों को मिल सकेगी और 10 एवं 16 वर्ष की उम्र में जरूरी टीके लगाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। श्रीमती सिंह ने टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के तहत स्कूली स्तर पर तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से टीकाकरण अभियान को गति दी जाएगी।

कोटा में प्रशासन ने कोचिंग संस्थान संचालकों एवं हॉस्टल प्रबंधकों को नियमों की पालना के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में एक कोचिंग छात्र के आत्महत्या करने की घटना के बाद प्रशासन के एक कोचिंग संस्थान को नोटिस दिए अभी अड़तालीस घंटे भी नहीं बीते कि एक और कोचिंग छात्रा के आत्महत्या कर लेने से चिंतित प्रशासन ने एक बार फिर कोचिंग संचालकों की बैठक बुलाकर तय गाइडलाइन की सख्ती से पालना के निर्देश दिए हैं।

कोटा में पिछले सोमवार को पश्चिम बंगाल के रहने वाले नीट की प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने आए एक कोचिंग छात्र फ़ोरीद हुसैन ने अवसादग्रस्त होकर आत्महत्या कर ली और कोचिंग छात्र के अवसादग्रस्त होने की जानकारी उस कोचिंग संस्थान के संचालकों को थी जिसमें छात्र फ़ोरीद हुसैन नीट की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था क्योंकि फ़ौरी तौर पर कोचिंग संस्थान की ओर से अवसाद से उबारने के लिए छात्र की काउंसलिंग भी की गई थी लेकिन यह जानकारी कोचिंग संस्थान के संचालक ने स्थानीय प्रशासन को नहीं दी।

इसके बाद जिला कलक्टर महावीर प्रसाद मीणा ने नोटिस भेज कर तीन दिन में जवाब तलब किया लेकिन जवाब आने से पहले ही बुधवार को नीट की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही एक और कोचिंग छात्रा निशा यादव (21) ने कोटा के महावीर नगर इलाके में अपने हॉस्टल के कमरे की छत पर लगे पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। पंखे के साथ एंटी हैंगिग डिवाइस नहीं लगा हुआ था जबकि पंखे से लटककर आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए कोटा जिला प्रशासन ने हॉस्टल संचालकों को हर कमरे में छत के पंखे के साथ एंटी हैंगिग डिवाइस लगाने के सख्त निर्देश दिए गए थे।

कोटा में तीन दिन में दो कोचिंग छात्रों के आत्महत्या करने के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने कोचिंग संस्थान संचालकों एवं हॉस्टल प्रबंधकों की गुरूवार को बैठक आयोजित कर आत्महत्या के कारणों एवं रोकथाम के विषय पर विस्तार से समीक्षा की और नए सिरे से आदेश जारी कर दिये गये कि कोचिंग एवं हॉस्टल के लिए तय गाइडलाइन की शत प्रतिशत पालना की जाए। छात्र में किसी भी तरह के अवसाद, चिंता जैसे लक्षण मिलते हैं तो कोचिंग संस्थान एवं हॉस्टल संचालक अपने प्रयासों के साथ अविलंब प्रशासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों को भी सूचित करें ताकि वह अपने स्तर से भी छात्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

प्रदेश छिटपुट बारिश के बाद तापमान में गिरावट, जैसलमेर की ठंड का मजा लेने पहुंचे सैलानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में ठंड ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। प्रदेश में बीते 24 घंटों में कोटा संभाग और जयपुर संभाग में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हुई। वहीं, कहीं-कहीं घना कोहरा भी छाया रहा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। सबसे न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री अलवर में दर्ज किया गया है। पश्चिमी राजस्थान के हनुमानगढ़ में 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। पूर्वी राजस्थान की बात करें तो कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दो-तीन दिन हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई हैं। शेष अधिकांश स्थानों पर मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। ठंड के असर के चलते आगामी दो-तीन दिन राज्य में कहीं-कहीं घना कोहरा छाए रहने तथा न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है।

जैसलमेर में ठंड की दस्तक के बाद अब धीरे-धीरे सर्दी का असर दिखने लगी है। रात का तापमान 15 डिग्री पहुंच गया है। वहीं दिन में भी हल्की सर्दी का असर देखने को मिल रहा है। हालांकि इस मौसम में जैसलमेर आने वाले सैलानी पूरा मज़ा उठा रहे हैं। वहीं, यहां के बाशिंदे सर्दी से बचने का जतन करते नज़र आ रहे हैं। दरअसल जैसलमेर में इन दिनों रात और दिन के तापमान में बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां दिन में हल्की ठंड होती है और वहीं शाम होते ही ठंड का असर बढ़ने लगता है। रात को तापमान में गिरावट होती है। ऐसे में सैलानी जैसलमेर घूमने का इंजॉय कर रहे हैं। सर्दियों में जैसलमेर में सैलानियों की भीड़ उमड़ी है। इस बार ज्यादा से ज्यादा विदेशी सैलानियों की चहल-पहल हो रही है। टूरिस्ट प्लेस पर विदेशी सैलानियों के ग्रुप दिखाई देने लगे हैं। सर्दियों में विदेशियों को जैसलमेर घूमना ज्यादा आसान लगता है।

सर्दी का असर बढ़ते ही जैसलमेर आने वाले सैलानी इसका आनंद ले रहे हैं। सवेरे-सवेरे ठंडे मौसम में सोनार दुर्ग पर सैलानियों की भीड़ है। गड़िसर तालाब में बोटिंग का लुत्फ लेते नज़र आ रहे हैं। सैलानियों को इस ठंड में जैसलमेर घूमने का मज़ा दोगुना आ रहा है। अब जैसे जैसे ठंड बढ़ेगी वैसे वैसे जैसलमेर में सैलानियों की आवक भी बढ़ेगी। दरअसल जैसलमेर सर्दियों में घूमने की बेहतरीन जगह है। गर्मीयों में यहां तापमान 45 डिग्री से भी ऊपर चला जाता है वहीं सर्दियों में सैलानियों के लिए सबसे बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस बन जाता है।

मुलाकात

जयपुर में शुक्रवार को झोटवाड़ा में भाजपा के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते भाजपा प्रत्याशी राज्यवर्धन सिंह राठौड़।

पाकिस्तान से लौटी अंजू होगी गिरफ्तार ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत से पाकिस्तान जाकर प्रेमी से शादी करने वाली अंजू उर्फ फातिमा बुधवार को अपने वतन लौट आई है। देश वापस आने के बाद अंजू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। देश की सुरक्षा एजेंसियां अंजू से लगातार पूछताछ कर रही हैं। अंजू के खिलाफ एजेंसियों की जांच अब भी जारी है। ऐसे में अंजू को गिरफ्तार करने की भी बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि राजस्थान पुलिस अंजू को गिरफ्तार कर सकती है। अंजू के पति ने राजस्थान में कई गंभीर आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करवाई थी। उस एफआआईआर को लेकर अब भिवाड़ी पुलिस अंजू से पूछताछ करेगी।

अंजू के बिना बताए और बिना पति को तलाक दिए पाकिस्तान

चली गई थी। वहां जाकर अंजू ने दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद जून में अंजू के पति अरविंद भिवाड़ी में अंजू के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। अब अंजू के वापस आने के बाद मामला फिर से खुल गया है। इस मामले पर बात करते हुए भिवाड़ी के एडिशनल एसपी दिलीप सैनी ने कहा कि भिवाड़ी में अंजू से पूछताछ की जाएगी। इस मामले के अलग-अलग एंगल से जांच की जा रही है। सैनी ने कहा कि आज अंजू के बच्चों से भी बातचीत की गई है। पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पांच महीने पहले अंजू के पति ने उसके खिलाफ केस दर्ज करवाया था और कई गंभीर आरोप भी लगाए थे। उन्होंने कहा अगर इस मामले में गिरफ्तारी का प्रावधान होगा तो अंजू को गिरफ्तार भी किया जाएगा।

मामला पांच महीने पहले का है। जयपुर जाने की बात कह अंजू पाकिस्तान चली गई थी। पाकिस्तान जाकर अंजू ने अपने फेसबुक फ्रेंड नसरुल्ला से शादी कर ली थी। शादी के बाद से अंजू पाकिस्तान में अपने पति के साथ रह रही थी।

नगालैंड के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने नगा राजनीतिक मुद्दों के जल्द समाधान की अपील की

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने शुक्रवार को लोगों को राज्य के 61वें स्थापना दिवस की बधाई दी और काफी समय से लंबित नगा राजनीतिक मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान का रास्ता तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। एक दिसंबर 1963 को असम को विभाजित कर नगालैंड का गठन किया गया था। यह देश का 16वां जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र का दूसरा राज्य बना था।

रियो ने यहां सिविल सचिवालय में राज्य के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए नगा राजनीतिक समूहों, भारत सरकार और अन्य पक्षों से शेष मतभेदों को दूर करने के रास्ते तलाशने और नगा मुद्दे के शांतिपूर्ण व जल्द समाधान पर पहुंचे की अपील की। उन्होंने कहा, राज्य के 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आइए समाज के लचीलेपन और हमारे सामूहिक प्रयासों का भी जश्न मनाएं जिनकी बदौलत हम आज यहां तक आए हैं।

उन्होंने कहा, हमने बहुत कुछ किया है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मैं पूर्वी नगालैंड के लोगों को आश्वस्त करता हूं कि केंद्र और राज्य सरकारें न केवल इन विशेष उपायों को जारी रखने के लिए बल्कि और भी अधिक करने के लिए उत्सुक व प्रतिबद्ध हैं।

2017 से पहले उत्तर प्रदेश में अपराधियों, भूमाफियाओं के हौसले बुलंद थे: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में प्रशासन के समर्थन से अपराधियों एवं भूमाफियाओं के हौसले बुलंद थे तथा हर दूसरे-तीसरे दिन दंगे होते थे। उन्होंने 2017 के बाद प्रदेश का माहौल बदलने का दावा करते हुए कहा कि उनकी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का परिणाम सभी के सामने है।

बुधवार को सदन में पेश हुए अनुपूरक बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते योगी आदित्यनाथ ने कहा,'हम मानते हैं कि अगर नजर लक्ष्य पर है और कदम सही रास्ते पर हैं तो ऐसा कोई रास्ता नहीं है जो लक्ष्य तक न पहुंचे। हमने एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है और उस तक पहुंचने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। ''

मुख्यमंत्री ने कहा, ' पहले युवाओं के विश्वास को कुचला जा रहा था और भर्तियों में 'भाई-भतीजावाद' किया जा रहा था । पूरी व्यवस्था को छिन्न-भिन्न किया जा रहा था लेकिन आज राज्य इससे उबर चुका है और अपनी पहचान बना रहा है ।'' उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश ने वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 आयोजित करके एक बेंचमार्क स्थापित किया है। 40 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।' उन्होंने पूछा कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो क्या कोई उत्तर प्रदेश आना चाहता था।

मुख्यमंत्री ने कहा,'यहां तक कि जो लोग पहले से ही राज्य में थे वे भी भागना चाहते थे। लेकिन आज देश और दुनिया के तमाम उद्यमी उत्तर प्रदेश में आकर निवेश करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि जब ये निवेश प्रस्ताव जमीन पर आएंगे तो इससे 1.10 करोड़ लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा, प्रदेश के युवाओं को नौकरी के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा बल्कि दुनिया नौकरी के लिए उत्तर प्रदेश आएगी। हमने यह तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि पहले राज्य की पहचान खस्ताहाल सड़कों और बिजली की खराब स्थिति के कारण होती थी, लेकिन अब राज्य को एक्सप्रेस वे राज्य के रूप में जाना जाने लगा है।

शहरी इलाकों में कानून-व्यवस्था कायम रखने के लिये टीएसआर की तैनाती की जाएगी: साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला /भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि कानून - व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्धसैनिक बल त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) को राज्य के शहरी इलाकों में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा, टीएसआर ने न केवल पूर्वोत्तर राज्य में बल्कि कई अन्य राज्यों में भी खुद को सर्वश्रेष्ठ बल में से एक के रूप में साबित किया है।

साहा ने वेस्ट त्रिपुरा जिले में टीएसआर की 14वीं और 15वीं बटालियन की पासिंग आउट परेड में कहा, ''हमें न केवल त्रिपुरा में बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए टीएसआर पर गर्व है। चुनाव संबंधी दायित्वों से लेकर उग्रवाद से निपटने और कानून व्यवस्था से जुड़े कर्तव्यों तक, बल ने सभी प्रकार के काम में अपनी क्षमताओं को साबित किया है।'' उन्होंने कहा, ''अब, हम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहरी क्षेत्रों में टीएसआर की तैनाती पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि बल ने उसे सौंपे गए कार्यों को बखूबी अंजाम दिया है, चाहें यह उग्रवाद (से निपटना) हो, सीमा की निगरानी हो या फिर नई दिल्ली में दूतावासों को सेवा प्रदान करना हो।''

त्रिपुरा में एक परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या की

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में दिव्यांग बेटी के भविष्य को लेकर चिंतित एक परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रभारी अधिकारी (ओसी) देबाशीष दास ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मृतकों की पहचान चिंताहरण पॉल (70), प्रतिभा पॉल (60) और माणिका पॉल (20) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, जब तीनों सुबह आठ बजे तक सोकर नहीं उठे तो चिंताहरण के बड़े भाई गुरुंग ने उनके कमरे का दरवाजा खोला। अंदर घुसने के बाद उन्होंने देखा कि उनके भाई, भाभी और भतीजी बिस्तर पर पड़े थे। अधिकारी ने कहा कि सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गई। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने बृहस्पतिवार रात जहर खा लिया था। अधिकारी ने कहा, 70 वर्षीय माटी कलाकार (चिंताहरण) अपनी 20 वर्षीय दिव्यांग बेटी के भविष्य को लेकर चिंतित था। शायद इसी के चलते पूरे परिवार ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

प. बंगाल में भाजपा विधायकों पर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप, पुलिस में शिकायत दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प. बंगाल के 11 भाजपा विधायकों के खिलाफ इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा परिसर में धरने के दौरान राष्ट्रगान का अपमान करने के मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है।

संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेब चटर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस विधायक दल की ओर से शिकायत दर्ज की गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी विधायक केंद्र सरकार पर राज्य के प्रति भेदभाव का रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए 29 नवंबर को डॉ बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष राष्ट्रगान गा रहे थे। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि महज 50 मीटर दूर प्रदर्शन कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे और घंटे बजा रहे थे। हालांकि, भाजपा ने कहा कि अगर तृणमूल कांग्रेस विधायक राष्ट्रगान गा भी रहे होंगे तो बहुत कम आवाज में गा रहे होंगे, जो प्रदर्शन स्थल से नहीं सुनाई दिया। उसने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से फंसाने का प्रयास किया जा रहा है।

वरिष्ठ मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने राष्ट्रगान के प्रति उचित सम्मान नहीं दिखाया और उचित कार्रवाई की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंदोपाध्याय ने भी कहा कि उचित कदम उठाए जाएंगे।

विधानसभा सचिवालय के एक सूत्र ने कहा कि संबंधित थाने में 11 भाजपा विधायकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश विधान मंडल में 28,760.67 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पारित

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधान मंडल में शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 28,760.67 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पारित हो गया। अनुपूरक बजट के पारित होने के साथ विधानमंडल के दोनों सदनों विधानसभा और विधान परिषद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदन में उत्तर प्रदेश विनियोग (2023-2024 का अनुपूरक बजट) विधेयक, 2023 के पक्ष में बहुमत होने पर अनुपूरक बजट पारित करने की घोषणा की। इसके पहले वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अनुपूरक बजट पारित करने का प्रस्ताव सदन के समक्ष रखा।

अध्यक्ष ने अनुपूरक बजट के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने से इसे पारित करने की घोषणा की। अध्यक्ष ने विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अनुपूरक बजट पेश किया था। खन्ना ने कहा था कि प्रस्तुत अनुपूरक मांगों का कुल आकार 28,760.67 करोड़ रुपये है। विधान परिषद में सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश विनियोग (2023-2024 का अनुपूरक बजट) विधेयक, 2023 के पारित करने की घोषणा की। विधान परिषद के सभापति ने नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रस्ताव पर विधान परिषद की बैठक अनिश्चितकाल के लिये स्थगित करने की घोषणा की।

शौचालय के उपयोग और स्वच्छता का पारदर्शी ऑडिट कराने की जरूरत: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने एक खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि 'स्वच्छ भारत मिशन' अपनी स्थिति में बरकरार नहीं रह सका है और वर्ष 2018 के बाद से शौचालयों के उपयोग में निरंतर गिरावट आ रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि देश में शौचालयों के उपयोग और स्वच्छता एक खुला एवं पारदर्शी ऑडिट कराए जाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में सरकार बनने के बाद 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरुआत की गई थी जिसके तहत बड़े पैमाने पर शौचालयों का निर्माण करवाया गया। रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए जिस खबर का हवाला दिया उसमें कहा गया है कि विश्व बैंक के दस्तावेज में भारत में शौचालयों के उपयोग में गिरावट पर चिंता जताई गई थी, लेकिन 'दबाव' के चलते उसने इन दस्तावेज को वापस ले लिया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सितंबर 2011 में शुरू किए गए 'निर्मल भारत अभियान' को दोबारा नए सिरे से पेश करते हुए 'स्वच्छ भारत मिशन' के रूप में सामने लाया गया। 'निर्मल भारत अभियान' ने प्रत्येक ग्राम पंचायत को खुले में शौच से मुक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम शुरू किए थे। इसने ट्रेन में बायोटॉयलेट के उपयोग को लोकप्रिय बनाना शुरू कर दिया था। विद्या बालन जैसे 'स्वच्छता दूत' जोड़े गए थे।

ओडिशा: राजमार्ग पर खड़े ट्रक से टकराने से आठ लोगों की मौत, मुआवजे का ऐलान

क्योंझर/भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के क्योंझर जिले में शुक्रवार को तड़के एक वाहन के, सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा जाने से तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये मौतें 'शून्य मृत्यु सप्ताह' पहल के पहले दिन हुईं। यह पहल राज्य सरकार द्वारा सर्दियों की शुरुआत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना घाटागांव इलाके में बालीजोडी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-20 पर उस वक्त हुई, जब वाहन में सवार लोग एक मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा।

अधिकारी ने बताया कि घायलों में से पांच लोगों का इलाज क्योंझर जिला मुख्यालय अस्पताल में चल रहा है, जबकि तीन अन्य की हालत बिगड़ने पर उन्हें कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घटना पर दुख व्यक्त किया और घोषणा की कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। पटनायक ने अधिकारियों को सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। पुलिस ने बताया कि गंजाम जिले के पुडामारी गांव से कुल 20 लोग त्रारिणी देवी के दर्शन के लिए मंदिर जा रहे थे। मंदिर से तीन किलोमीटर की दूरी पर यह दुर्घटना हुई। पुलिस को संदेह है कि वाहन चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, ओडिशा के 5टी (परिवर्तन पहल) और नबीन (नए) ओडिशा कार्यक्रम के अध्यक्ष वी. के. पांडियन ने समन्वय की सुविधा और पीड़ितों की मदद के लिए क्योंझर और गंजाम के जिलाधिकारियों से भी बात की।

मिजोरम : मतगणना की तारीख बदलने की मांग को लेकर प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम में 'एनजीओ कोऑर्डिनेशन कमेटी' (एनजीओसीसी) के सदस्यों ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा चुनाव के बाद तीन दिसंबर को प्रस्तावित मतगणना की तिथि में बदलाव को लेकर राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया राज्य की राजधानी आइजोल और अन्य जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किये गये। एनजीओसीसी नागरिक समाज के प्रमुख संगठनों और छात्र समूहों एक व्यापक संगठन है जिसमें प्रभावशाली सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन (सीवाईएमए) और मिजो जिरलाई पावल (एमजेडपी) शामिल हैं।

यहां राजभवन के पास रैली को संबोधित करते हुए एनजीओसीसी के अध्यक्ष लालहमछुआना ने निर्वाचन आयोग पर राजनीतिक दलों, गिरजाघरों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा बार-बार मतगणना की तारीख को बदलने की अपील के बावजूद इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। लालहमछुआना ने कहा कि मतगणना की तारीख रविवार को पड़ती है, जो ईसाइयों के लिए पवित्र दिन है। उन्होंने कहा कि मिजोरम एक ईसाई बहुल राज्य है। उन्होंने कहा कि एनजीओसीसी ने हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली भेजा था और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग इस मुद्दे पर चुप रहा और हमारी अपीलों का जवाब देने में विफल रहा।'' सीवाईएमए के अध्यक्ष लालहमछुआना ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन मिजो समुदाय और उनके धर्म की रक्षा के अलावा और कुछ नहीं है।

मिजो हमीछे इंसुइहखावम पावल (एमएचआईपी) या मिजोरम महिला संघ, मिजो छात्र संघ (एमएसयू) और एमजेडपी जैसे अन्य संगठनों के नेताओं ने भी रैली को संबोधित किया। मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान सात नवंबर को हुआ था। राज्य के 8.57 लाख पात्र मतदाताओं में से 80 फीसदी से अधिक ने मतदान किया है।

मणिपुर में नकाबपोश लुटेरों ने पीएसयू बैंक से 18 करोड़ रुपये लूटे

इंफाल/भाषा। मणिपुर के उखरुल जिले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की एक शाखा से नकाबपोश हथियारबंद लुटेरों ने 18.80 करोड़ रुपये नकद लूट लिए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब नेशनल बैंक की यह शाखा उखरुल जिले के लिए 'करेंसी चेस्ट' है, जहां भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बैंकों और एटीएम के लिए नकदी का भंडारण किया जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार की शाम इंफाल से लगभग 80 किलोमीटर दूर उखरुल शहर में अत्याधुनिक हथियारों से लैस लुटेरे बैंक पहुंचे। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को अपने कब्जे में लिया और बैंक के कर्मचारियों को धमका कर तिजोरी से रकम लूट ली। उन्होंने बताया कि कुछ लुटेरे वर्दी में थे। उन्होंने कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को बैंक के शौचालय के अंदर बंद कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ कर्मचारियों में से एक को बंदूक दिखा कर तिजोरी खोलने के लिए कहा गया, जिसके बाद लुटेरों ने रकम लूटी।

घटना की शिकायत उखरुल पुलिस थाने में दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

ओडिशा में 60 परियोजनाओं के लिए 18,000 करोड़ से अधिक रुपये स्वीकृत किए गए : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने इस वर्ष अक्टूबर तक 60 परियोजनाओं के लिए 'ओडिशा मिनरल बियरिंग एरिया डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन' (ओएमबीएडीसी) कोष से 18,000 करोड़ से अधिक रुपये स्वीकृत किए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

ओएमबीएडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी राजेश ने यह जानकारी कॉर्पोरेशन के निदेशक मंडल की बैठक के दौरान दी। यह बैठक बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। ओएमबीएडीसी को दिसंबर 2014 में कंपनी अधिनियम 2013 में शामिल किया गया था। राजेश ने कहा कि बोर्ड ने अक्टूबर 2023 तक विभिन्न क्षेत्रों में 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की 60 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि 18 विभाग ओएमबीएडीसी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं और उन्होंने जारी राशि के 72 प्रतिशत का इस्तेमाल कर लिया है। यह राशि 10,868 करोड़ रुपये है। सबसे अधिक 93 प्रतिशत व्यय आवास एवं शहरी विकास विभाग ने किया है। इसके बाद पंचायती राज एवं पेयजल तथा ग्रामीण विकास विभाग ने 84 प्रतिशत धन का इस्तेमाल किया है।

पूर्व राज्यपाल के खाते से साइबर ठगों ने लाखों रूपए निकाले

नोएडा/भाषा। नोएडा में जेपी बिश टाउन सोसायटी में रहने वाले लद्दाख के पूर्व राज्यपाल और देश के पूर्व रक्षा सचिव राधा कृष्ण माथुर के बैंक अकाउंट से साइबर ठगों ने 2,28,360 रूपये निकाल लिए। माथुर का कहना है कि ठगों ने उनके खाते से नेट बैंकिंग के सहारे रकम निकाली क्योंकि उन्होंने ना तो किसी को अपने बैंक अकाउंट की जानकारी दी थी, और ना ही ओटीपी नंबर शेयर किया था। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि सेक्टर 128 स्थित जेपी बिश टाउन सोसायटी में रहने वाले लद्दाख के पूर्व उप राज्यपाल एवं भारत सरकार के पूर्व रक्षा सचिव राधा कृष्ण माथुर ने बीती रात थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनके खाते से इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से धोखाधड़ी करके दो लाख 28 हजार 360 रूपए निकाल लिए।

टी20 विश्व कप 2024 तक कप्तान रहें रोहित, कहा गांगुली ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। वनडे विश्व कप में रोहित शर्मा की कप्तानी से प्रभावित पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें कम से कम अगले साल टी20 विश्व कप तक भारत का कप्तान बने रहना चाहिये ।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार दस मैच जीतकर विश्व कप के फाइनल में पहुंची जहां उसे आस्ट्रेलिया ने छह विकेट से हराया । रोहित और विराट कोहली ने दस दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला से ब्रेक लिया है ।

गांगुली ने पत्रकारों से कहा कि दोनों को आराम की जरूरत है ताकि आगे के व्यस्त कार्यक्रम के लिये तरोताजा रहें । उन्होंने यहां एक प्रचार कार्यक्रम से इतर कहा ,'' रोहित को सभी प्रारूपों में लौटने के बाद भारत की कप्तानी करनी चाहिये क्योंकि उसने विश्व कप में इतना शानदार प्रदर्शन किया ।'' उन्होंने कहा ,'' विश्व कप में आपने देखा कि उन्होंने कैसा खेला । वे भारतीय क्रिकेट का अभिन्न अंग हैं ।''

रोहित और विराट ने 2022 टी20 विश्व कप के बाद से टी20 क्रिकेट नहीं खेला है । उसके बाद से हार्दिक पंड्या भारत के टी20 कप्तान हैं लेकिन उनके चोटिल होने से आस्ट्रेलिया के खिलाफ सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे हैं ।

गांगुली ने कहा ,'' विश्व कप द्विपक्षीय श्रृंखला से अलग है क्योंकि दबाव अलग है । इस विश्व कप में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और छह सात महीने बाद वेस्टइंडीज में भी उसे दोहरायेंगे । रोहित एक लीडर है और मुझे उम्मीद है कि वह टी20 विश्व कप में भी कप्तान होगा ।''

जूनियर विश्व चैम्पियनशिप : भारतीय मुक्केबाजों ने आठ और पदक पक्के किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई जूनियर चैम्पियन निशा (52 किग्रा) और आकांक्षा (70 किग्रा) ने अर्मेनिया के येरेवान में चल रही आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनायी जिससे आठ भारतीयों ने पदक पक्के कर लिये।

भारत की लड़कियों ने दबदबे भरा प्रदर्शन दिखाया जिससे दिन में रिंग में उतरी सभी पांच मुक्केबाजों ने अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। आकांक्षा ने उज्बेकिस्तान की कुरबोनबोएवा रेहोना को 4-1 के विभाजित फैसले में मात दी।

निशा ने आयरलैंड की ग्रेस कॉनवे को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में शिकस्त दी। शुष्ठि ने 63 किग्राा वजन वर्ग के दूसरे राउंड में रूस की मारिया काजाओवा पर रैफरी के द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से जीत हासिल की।

कृतिका (75 किग्रा) ने मेक्सिको की मेलेंडेज सांचेज को पहले राउंड में आरएससी से हराया। विन्नी (57 किग्रा) ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो की नुनेज नाईओमी के वॉकओवर से सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लड़कों के वर्ग में नतीजे मिले जुले रहे जिसमें पांच में से तीन मुक्केबाजों ने अंतिम चार में जगह बनायी। हेमंत सांगवान (80 किग्रा से अधिक) और सिकंदर (48 किग्रा) ने क्रमश: बुल्गारिया के बाचेवस्की रोसेलिन को और किग्रिस्तान के उर्मानोव रामजिदिन को 5-0 के समान अंतर से पराजित किया।

वहीं 75 किग्रा के क्वार्टरफाइनल में साहिल ने उज्बेकिस्तान के रूसलन इसानोव के खिलाफ 3-2 के विभाजित फैसले में जीत हासिल की।

एम कबीराज सिंह (63 किग्रा) और राहुल कुंडु (70 किग्रा) को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इन आठ और पदक से भारत के कुल पदकों की संख्या 17 हो गयी है। मेघा (80 किग्रा) ने पहले दो दौर में बाई मिलने से पदक पक्का किया।

सुविचार

बारिश की बूँदें भले ही छोटी हों, लेकिन उनका लगातार बरसना, बड़ी नदियों का बहाव बन जाता है, वैसे ही हमारे छोटे छोटे प्रयास भी, जिंदगी में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठ पर लगाम

बांग्लादेश और पाकिस्तान से लगती हमारी सीमाओं के उन हिस्सों को बाड़ तथा अन्य तरीकों से मजबूत बनाने की जरूरत है, जहां से घुसपैठ होती है। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई यह जानकारी कि 'इन दोनों ही मोर्चों पर करीब 60 किलोमीटर क्षेत्र में खुली जगहों पर बाड़ लगाने का काम जारी है', से पता चलता है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा हजारों किमी लंबी है। जंगल, नदियां, पहाड़, रेगिस्तान ... जैसी कई भौगोलिक चुनौतियां हैं, जिससे सीमा की रखवाली करना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन सुरक्षा बलों के जवान यह काम मुस्तैदी से कर रहे हैं। आमतौर पर यह देखने में आता है कि पाकिस्तान की ओर से जो घुसपैठ होती है, उसके प्रति हमारा रुख बेहद सख्त होता है। चूंकि उस ओर से घुसपैठ करने वालों में आतंकवादी और तस्कर होते हैं। वहीं, बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ करने वालों के प्रति ऐसी सख्ती नहीं होती। उनमें से ज्यादातर आम लोग होते हैं। कई बार तस्कर पकड़े जाते हैं। बेशक आम बांग्लादेशियों के प्रति हमारा वह व्यवहार नहीं हो सकता, जो किसी आतंकवादी के प्रति होता है, लेकिन घुसपैठ का यह स्वरूप भी भविष्य में गंभीर समस्या बन सकता है। आए दिन किसी न किसी शहर से अवैध बांग्लादेशियों के पकड़े जाने की खबरें मिलती रहती हैं। ऐसी कई रिपोर्टें आ चुकी हैं, जिनसे पता चलता है कि इन्होंने विभिन्न स्थानों पर अवैध कब्जे कर रखे हैं। कई गंभीर अपराधों में बांग्लादेशी घुसपैठिए लिप्त पाए गए हैं। जहां इनकी ठीक-ठाक तादाद हो जाती है, वहां कुछ पार्टियां तुष्टीकरण करने लगती हैं। यही दिसंबर का महीना था, जब साल 1971 में भारतीय जवानों ने अपना लहू देकर बांग्लादेश को आज़ाद करवाया था। अब बांग्लादेशियों के पास अपना देश है, लिहाजा उन्हें वहां रहना चाहिए। अगर किसी काम से भारत आएं तो कानूनी तरीके से आएं।

आज उत्तर-पूर्व के कई इलाकों में बांग्लादेशियों के कारण आक्रोश देखने को मिलता है। रोहिंग्याओं की घुसपैठ भी एक समस्या है। बड़ा सवाल यह है कि ये लोग सीमा पार करने में कामयाब कैसे हुए? चूंकि बांग्लादेश से लगती सीमा पर ऐसे कई इलाके हैं, जहां जंगल, दलदल या नदी के कारण बाड़बंदी नहीं हो पाई है। हालांकि ये इलाके छोटे-छोटे हिस्सों में हैं, लेकिन घुसपैठिए इनका फायदा उठा लेते हैं। ये भारतीय सीमा में घुसकर स्थानीय लोगों में घुलमिल जाते हैं। कुछ साल यहां रहने के बाद बोली, लहजा आदि पर पकड़ बना लेते हैं। कुछ बांग्लादेशी घुसपैठिए फेरी लगाकर छोटा-मोटा सामान बेचते रहते हैं, जिससे उन पर नजर रखना मुश्किल होता है। देश में फर्जी तरीके से आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र बनाने वाले गिरोह सक्रिय हैं, जो इनकी मदद कर देते हैं। कालांतर में ये लोग खुद को जन्म से भारतीय बताने लगते हैं। इस तरह अवैध ढंग से आना और रहना कानून-व्यवस्था के लिए तो बड़ी चुनौती है ही, स्थानीय लोगों के हितों के लिए भी खतरा है। इससे उनके लिए रोजगार सीमित हो जाते हैं। सार्वजनिक सुविधाओं पर बोझ बढ़ता है। हाल के वर्षों में जिस तरह आईएसआई के एजेंट और स्लीपर सेल पकड़े गए हैं, उसके मद्देनजर हमें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जो व्यक्ति घुसपैठ कर हमारे देश में आया है, जिसका सरकार के पास कोई रिकॉर्ड नहीं, कोई पहचान नहीं, क्या देशविरोधी तत्त्व उसका इस्तेमाल नहीं कर सकते? बांग्लादेश के सीमावर्ती इलाकों में तस्करों का भी जाल फैला हुआ है, जिसका समय-समय पर भारतीय सुरक्षा बल पर्दाफाश करते रहते हैं। यहां गाय और नशीली सामग्री की तस्करी के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा नकली नोटों को खपाने के लिए इस रास्ते के इस्तेमाल की कोशिशें होती हैं। बीएसएफ, गुवाहाटी फ्रंटियर ने इस साल भारत-बांग्लादेश सीमा पर 47 बांग्लादेशी नागरिकों समेत 200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा लगभग 12 करोड़ रुपए का तस्करी का सामान जब्त किया है। इनमें 5,695 मवेशियों के सिर, 3.39 लाख रुपए के नकली नोट, 1,516.965 ग्राम सोना और 2,804 किलोग्राम गांजा शामिल है। स्पष्ट है कि भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाना होगा। यहां घुसपैठियों को जरा-सा भी मौका मिला तो देश की सुरक्षा व शांति खतरे में पड़ सकती हैं।

ट्वीटर टॉक

भारत की सीमाओं के रक्षक, सशस्त्र पुलिस बल बीएसएफ के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। दुर्गम से दुर्गम सीमा स्थानों पर तैनात होकर हमें सुरक्षित रखने वाले सभी बीएसएफ के जवानों और अधिकारियों के जज्बे को प्रणाम है।

-सीपी जोशी

सीमा सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर देश की सीमाओं के कर्तव्यनिष्ठ, वीर व पराक्रमी प्रहरियों को मेरा सलाम। सम-विषम परिस्थितियों में मातृभूमि की रक्षा के लिए आप जिस समर्पण भाव से जुटे रहते हैं, वह प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा है।

-वसुंधरा राजे

मैंने लाल किले से देश की ग्रामीण बहनों को 'ड्रोन दीदी' बनाने की घोषणा की थी और मैंने देखा की इतने कम समय में गांव की हजारों बहनों ने ड्रोन चलाना सीख लिया है। मेरे लिए तो ये ड्रोन दीदी को नमन करने का कार्यक्रम है। इसलिए मैं इस कार्यक्रम को नाम देता हूं 'नमो ड्रोन दीदी'।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

जीवन का सुकून

अकबर की पहली पत्नी रुकैया संवेदनशील महिला थी। वह पढ़ने-लिखने की शौकीन थी और कला प्रेमी भी। एक बार जब अकबर को युद्ध से लौटकर अधीन राजाओं के झगड़े को लेकर दुख हुआ तब रुकैया बेगम ने समझाया कि यह मन हर पल पावन और हर जगह उड़ने वाला पंछी है। उसी के होने का अहसास ही हमारा मसला होना चाहिए। परम तत्व की अनुभूति ही हमारे जीवन का परम लक्ष्य है। अपने मन की इस चंचलता तथा उड़ान का बोध न होना अर्थात भटकना ही हमारे दुःख की खास वजह है। अपने पसंदीदा माहौल, अपने गुरु, कुछ हुनर सीखने की तलब स्वाध्याय और बेहतर होने की ख्वाहिश से अपने मन को तरंगित करते रहें। मन ही हर तरह की आजादी का सबसे बढ़िया माध्यम है, इसका इल्म ही बेहतरी का रास्ता तय करता है। रुकैया बेगम के इस सलाह-मशविरे के बाद ही अकबर ने दिमागी सुकून महसूस किया और दीन-ए-इलाही धर्म के विस्तार का संकल्प लिया।

सामयिक

अमित शाह ने बंगाल से फूंका 2024 का चुनावी बिगुल

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का परिणाम अभी आना बाकी है, लेकिन भाजपा ने 2024 की चुनावी जंग का बिगुल अभी से फूंक दिया है क्योंकि भाजपा हमेशा चुनावी मोड़ पर रहती है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को कोलकाता पहुंचे। शाह ने कोलकाता के धर्मतला में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ राज्य की राजधानी में हुंकार भरी। भाजपा ने अमित शाह की रैली को 'प्रतिवाद सभा' का नाम दिया है और 'कोलकाता चलो' के नारे के साथ रैली का आयोजन किया। रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि, 'हम 2024 में न केवल मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे बल्कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएंगे'। बता दें कि बुधवार को अमित शाह कोलकाता रैली उसी मैदान में की, जहां सोहरावर्दी ने प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस कहा था। शाह ने कहा कि, 'यह मैदान मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है।' बंगाल में अगली सरकार भाजपा की होगी। आपने 77 सीटें दी हैं और अभी-अभी दीदी ने सुवेंदु अधिकारी को विधानसभा से निष्कासित किया है। सुनो दीदी आप सुवेंदु को विधानसभा से तो निकाल सकती हैं लेकिन जनता के दिल से नहीं। शाह ने रैली में सवाल किया कि, बताओ क्या यहां भ्रष्टाचार रुक गया? मोदी जी बंगाल को करोड़ों का फंड भेजते हैं लेकिन टीएमसी वह पैसा ले लेती है। टीएमसी ने बंगाल को बर्बाद कर दिया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा सबसे ज्यादा है। घुसपैठ ही मुख्य मुद्दा है। ममता जी इसे रोक नहीं सकतीं। जो बंगाल कभी रवीन्द्र संगीत सुनता था, अब बम की आवाजें सुनता है। मैं गुजरात से हूं लेकिन मेरे राज्य में किसी ने भी किसी नेता के पास भी किसी नेता के पास से नोटों के बंडल नहीं देखे। ममता बनर्जी अपने अन्य गठबंधन दल के साथ अयोध्या में राम मंदिर पर आपत्ति जताती रहीं। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि सीएए देश लागू करेगी। शाह ने आरोप लगाया कि ममता दीदी वोट के चक्कर में बांग्लादेश और म्यांमार से आ रहे घुसपैठियों के आधार कार्ड बनवा रही है और ये घुसपैठिए बंगाल के हिन्दुओं का हक मार रहे हैं, भाजपा ये नहीं चलने देगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता को चुनौती देते हुए कहा कि, 'मैं ममता बनर्जी को चुनौती देता हूं कि वह अपने गिरफ्तार टीएमसी नेताओं और मंत्रियों को निलंबित करें। वह बेतहाशा दुर्गा नाम का जाप कर रही हैं ताकि उनके गिरफ्तार मंत्री/नेता उनके भतीजे के बारे में गलत बातें न फैला सकें। ममता बनर्जी आप पूरी कोशिश कर लें, पिछला चुनाव आपने अवैध तरीके अपनाकर जीता था लेकिन 2026 में हम राज्य में सरकार बनाएंगे। हम बंगाल को सोनार बांग्ला बनाएंगे और केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है।

दरअसल, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का ज्यादा फोकस पश्चिम बंगाल, उडीसा, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब और तमिलनाडु जैसे उन राज्यों में होगा, जहां भाजपा की स्थिति कमजोर हैं और जहां लोकसभा सीटें बढ़ने की संभावना है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बंगाल में कुल 42 में से 18 सीटें जीती थी जबकि 2014 में भाजपा के पास सिर्फ दो सीटें थी। इसके बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 77 सीटें मिलीं जबकि उससे 5 साल पहले बंगाल विधानसभा में भाजपा का एक भी विधायक नहीं था। अब भाजपा बंगाल में मुख्य विपक्षी दल है। बंगाल में लैफ्ट फ्रंट तकरीबन पूरी तरह खत्म हो गया है। कांग्रेस का अस्तित्व न के बराबर है। अब मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच है। इसीलिए भाजपा बंगाल में पूरी ताकत लगा रही है।अमित शाह की जब रैली हो रही थी उसके

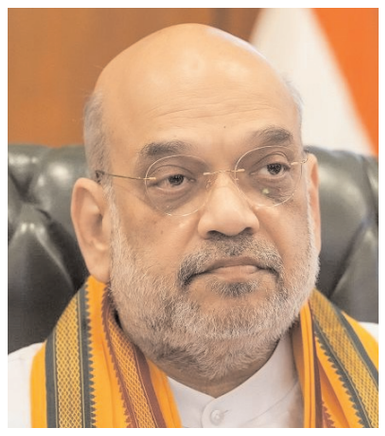

जवाब में ममता ने भी अपनी पार्टी के नेताओं के साथ केन्द्र सरकार के खिलाफ विधानसभा परिसर में धरना दिया। मोदी सरकार पर बंगाल के साथ भेदभाव का इल्जाम लगाया। कुल मिलाकर बुधवार को कोलकाता में अगले लोकसभा चुनाव के कैंपेन का टोन दिखाई दिया। कोलकाता में अमित शाह की रैली के लिए भाजपा ने काफी तैयारी की थी। ममता की सरकार इस रैली को रोकना चाहती थी। पहले प्रशासन ने रैली की अनुमति नहीं दी। भाजपा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने ममता सरकार की दलीलों को खारिज करके अमित शाह की रैली को हरी झंडी दी। इससे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ गया। इसलिए अमित शाह की रैली में जबरदस्त भीड़ जुटी।

पश्चिम बंगाल में, ममता के राज में, विरोधियों की रैली में इस तरह की भीड़ कम दिखती है। भीड़ को देखकर अमित शाह ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी धांधली करके जीत गई, लेकिन अब ममता के जाने का वक्त आ गया है। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में तुष्टिकरण की राजनीति अब खत्म होगी, हिन्दुओं का हक मारने वालों की विदाई होगी। अमित शाह ने ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार, अपराध, चुनावी हिंसा, तुष्टिकरण और घुसपैठ के मुद्दों पर घेरा और इसके बाद सिटिज़नशिप अमेंडमेंट एक्ट का मसला उठाया। अमित शाह ने कहा कि अब सीएए को लागू करने से कोई नहीं रोक सकता। शाह ने कहा कि घुसपैठ को रोकने के लिए सीएए जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में ममता ने घुसपैठियों को वोटर बनाने के अवैध सेंटर खोल दिए हैं। अमित शाह ने याद दिलाया कि ममता जब सत्ता में नहीं थीं तो घुसपैठियों के मुद्दे पर संसद नहीं चलने देती थीं लेकिन कुर्सी पर बैठने के बाद अब सियासी फायदे के लिए, बंगाली हिन्दुओं का हक मारने वाले घुसपैठियों की सगी बन गई हैं। शाह ने तृणमूल कांग्रेस पर बदले की राजनीति का इल्जाम लगाया। कोलकाता में जिस वक्त अमित शाह पब्लिक मीटिंग कर रहे थे, उसी वक्त कुछ ही दूरी पर ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों के साथ विधानसभा परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना दे रही थी। तृणमूल कांग्रेस का इल्जाम है कि केंद्र सरकार बदले की राजनीति कर रही है और बंगाल को उसके हक का पैसा नहीं दिया जा रहा है, मोदी सरकार ने मनरेगा का पैसा रोक दिया है जिसका असर तकरीबन 3,000 गरीब मजदूरों पर पड़ रहा है। चूंकि बुधवार को अमित शाह की रैली थी, इसलिए ममता ने एक बार फिर इस मुद्दे को हवा दी।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सुबह-सुबह ममता की पार्टी के लोगों ने पूरे कोलकाता में अमित शाह के खिलाफ पोस्टर लगा दिए। जहां-जहां से अमित शाह को गुजरना था, उस पूरे पूरे रूट पर जो पोस्टर बैनर लगाए गए, उनमें लिखा था, मोटा भाय, वोट नाय'। भाजपा के नेताओं ने आरोप लगाया कि ममता की पुलिस ने भी लोगों को अमित शाह की रैली में पहुंचने से रोका, तमाम बसों को शहर के बाहर ही रोक दिया गया, जो लोग पैदल आ रहे थे, उन्हें पुलिस ने रैली की तरफ नहीं जाने दिया। भाजपा इस बार बंगाल में पूरी ताकत लगाएगी।

विशेष

चुनावी सर्वे कितना खरा कितना खोटा?

बाल मुकुंद ओझा

तेलंगाना में मतदान समाप्त होते ही राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम विधान सभा चुनाव के एग्जिट पोल की होड़ लग गई। खबरिया चैनलों द्वारा विभिन्न सर्वे एजेंसियों की मदद से कराये एग्जिट पोल का निचोड़ निकाले तो राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में कांग्रेस और मिजोरम में क्षेत्रीय पार्टी की बढ़त दिखाई दे रही है। हालाँकि किसी भी पार्टी ने अपने विरोध में दिखाए गए एग्जिट पोल को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। वास्तविकता का पता तीन दिसंबर की मतगणना से ही ज्ञात होगा। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आजकल चुनाव में बड़ी भूमिका निभाने लगे है। चुनावी सर्वे करने वाली विभिन्न संस्थाओं से मिलकर किये जाने वाले सर्वेक्षणों में मतदाताओं का मूड जानने का प्रयास कर सटीक आकलन किया जाता है। कई बार ये सर्वे वास्तविकता के नजदीक होते है तो कई बार फैल भी हो जाते है। इसी के साथ खबरिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों की साख दांव पर लग जाती है। आज इस आलेख के माध्यम से हम चुनावी सर्वे का लेखाजोखा ले रहे है।

हमारे देश में दो चीजों का विकास करीब-करीब एक साथ ही हुआ है। पहला चुनावी सर्वेक्षणों और दूसरा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या कहें समाचार चैनलों का। समाचार चैनलों की भारी भीड़ ने चुनावी सर्वेक्षणों को पिछले तीन दशक से हर चुनाव के समय का अपरिहार्य बना दिया है। आज बिना इन सर्वेक्षणों के भारत में चुनावों की कल्पना भी नहीं की जाती। बल्कि कुछ समाचार चैनल तो साल में कई बार ऐसे सर्वेक्षण करवाते हैं और इसके जरिये सरकारों की लोकप्रियता और समाज को प्रभावित करने वाले मुद्दों की पड़ताल करते रहते हैं। आजकल सर्वे की बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है। जिसे चाहे वह सर्वे करवा रहा है। आखिर यह सर्वे है क्या, इसकी जानकारी जनसाधारण को होनी बहुत जरुरी है।

सीधे शब्दों में बात करें तो किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी या किसी भी विषय पर लोगों के मन की बात जानने के लिए लोगों के बीच में सर्वे किया जाता है, जिससे कि वहां के समाज के लोगों की क्या स्थिति है, और वहां पर क्या चल रहा है उन सभी का हमें पता चल जाता है। कुल मिलकर लोगों के मन की बात सर्वे के दौरान जानने की चेष्टा की जाती है। सर्वे शत प्रतिशत सही हो इसका दवा नहीं किया जा सकता, फिर भी सर्वे के महत्त्व से नकारा नहीं जा सकता।

एक समय था केवल सरकारें ही सर्वे करवाती थी। लोग सर्वे का मतलब जमीन की नापजोख से निकालते थे। मगर अब सर्वे बहुत विस्तृत हो गया है। हर मामले में सर्वे करवाकर लोगों के मन की थाह ली जाती है और फिर योजनाएं बनाकर उसका क्रियान्वयन करवाया जाता है। इनमें चुनावी सर्वे लोगों को बहुत पसंद आता है। यह सर्वे लोकप्रिय भी हुआ है। भारत में जब भी चुनाव होता है उसके पहले और बाद में ज्यादातर सर्वे एजेंसियों, मीडिया चैनलों और अखबारों द्वारा इलेक्शन सर्वे तैयार किया जाता है। यह इसलिए कराया जाता है ताकि मालूम हो सके कि चुनाव में जनता और मतदान का रुख क्या रहा और सरकार किसकी बन सकती है।

चुनावी सर्वे कराए जाने की शुरुआत दुनिया में सर्वप्रथम अमेरिका में हुई थी। अमेरिकी सरकार के कामकाज पर लोगों की राय जानने के लिए जॉर्ज गैलप और क्लॉड रोबिंसन ने इस विधा को अपनाया, जिन्हें ओपिनियन पोल सर्वे का जनक माना जाता है। भारत में वर्ष 1960 में ही चुनाव पूर्व सर्वे का खाका खींच दिया गया था। तब सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) द्वारा इसे तैयार किया गया था। भारत में एग्जिट पोल की शुरुआत का श्रेय इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन के प्रमुख एरिक डी कोस्टा को दिया जाता है, जिन्हें चुनाव के दौरान इस विधा द्वारा जनता के मिजाज को परखने वाला पहला व्यक्ति माना जाता है। चुनाव के दौरान इस प्रकार के सर्वे के माध्यम से जनता के रुख को जानने का काम सबसे पहले एरिक डी कोस्टा ने ही किया था। शुरुआत में देश में सबसे पहले इन्हें पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित किया गया जबकि बड़े पर्दे पर चुनावी सर्वेक्षणों ने वर्ष 1996 में उस समय दस्तक दी, जब दूरदर्शन ने सीएसडीएस को देशभर में एग्जिट पोल कराने के लिए अनुमति प्रदान की। 1998 में चुनाव पूर्व सर्वे अधिकांश टीवी चैनलों पर प्रसारित किए गए और तब ये बहुत लोकप्रिय हुए थे लेकिन कुछ राजनीतिक दलों द्वारा इन पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग पर 1999 में चुनाव आयोग द्वारा ओपिनियन पोल तथा एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

चिंतन

आधुनिक भारत के रत्न राजेन्द्र प्रसाद

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

चम्पारण में गांधीजी के सहयोगी के रूप में सार्वजनिक जीवन में प्रवेश कर के अपनी कार्यकुशलता, सेवापरायणता, बौद्धिक प्रखरता, सच्चाई, सहृदयता, सहज गाम्भीर्य और सौम्यता के कारण डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सार्वजनिक सेवा के प्रतीक बन गये। स्वतंत्रता संग्राम का यह अग्रगामी नेता अपनी सेवा एवं सरदार पटेल के समर्थन से तीन बार कांग्रेस के अध्यक्ष, संविधान सभा के सभापति और फिर भारतीय गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति का सर्वोच्च पद बारह वर्षों तक विभूषित करता रहा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का जन्म विक्रमी संवत 1941 की अगहन की पूर्णिमा तदनुसार 3 दिसम्बर 1884 को सिवान जिले के जीरादेई गांव में हुआ था। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा छपरा एवं एवं टीके घोष एकेडमी, पटना में पूरी करने के बाद उन्होंने सन 1902 में प्रेसिडेन्सी कॉलेज कोलकाता में एफए में दाखिला लिया। कोलकाता विश्वविद्यालय से उन्होंने सन 1907 में एमए (अर्थशास्त्र) सम्मान, सन 1910 में बीएल और सन 1915 में एमएल (मास्टर ऑफ लॉ) की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके पश्चात वे कोलकाता उच्च न्यायालय में वकालत करने लगे।

राजेन्द्र बाबू ने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत सन 1905 में बंग-भंग आंदोलन से की। सन 1916 में पटना उच्च न्यायालय स्थापित होने पर राजेन्द्र बाबू भी पटना आकर वकालत करने लगे, जहां उन्हें सार्वजनिक काम में भाग लेने का अधिक मौका मिल गया। सन 1917 में गांधीजी मोतिहारी पहुंचे और अंग्रेज नीलवरों द्वारा लूट-खसोट की वारदात अपनी आंखों देखी, तो उन्होंने तार संदेश के माध्यम से पटना से राजेन्द्र प्रसाद एवं कुछ अन्य वकीलों को चम्पारण बुलाया तथा किसानों की दुख गाथा कलमबद्ध करने को कहा। लगभग 22 से 25 हजार रैयतों के बयान लिखे गये। इधर चम्पारण में किसानों को गुलामी से मुक्ति का काम चल रहा था, उधर गुजरात में वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में खेड़ा के किसान सत्याग्रह कर रहे थे। राजेन्द्र बाबू खेड़ा जाकर पटेल से मिले और आंदोलन को नैतिक समर्थन दिया।

अगस्त 1920 में बिहार प्रांतीय राजनैतिक सम्मेलन ने राजेन्द्र

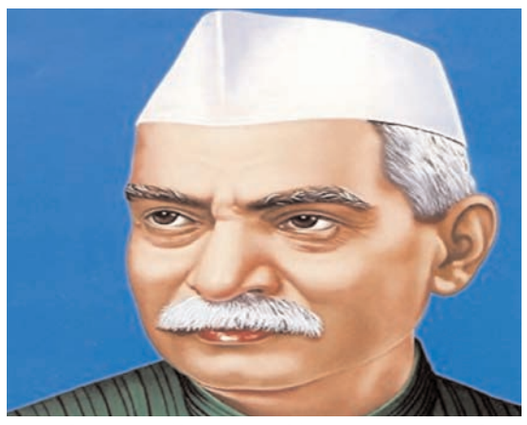

प्रसाद की अध्यक्षता में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पास किया। सितम्बर 1920 में लाला लाजपत राय के सभापतित्व में कोलकाता कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पेश हुआ, जिसके समर्थन में सबसे पहले बिहार ने प्रस्ताव पेश किया और प्रस्ताव पास करते हीं राजेन्द्र प्रसाद वकालत को तिलांजलि देकर पूरी तरह देश सेवा में तल्लीन हो गये।

राष्ट्रीय आंदोलन के प्रचार प्रसार के लिए राजेन्द्र प्रसाद ने हिन्दी में देश और अंग्रेजी में सर्चलाइट का प्रकाशन प्रारम्भ किया जिससे राष्ट्रीय आंदोलन को बड़ा बल मिला। 15 जनवरी 1934 को बिहार के प्रलंयकारी भूकम्प में राहत कार्य हेतु राजेन्द्र बाबू की अध्यक्षता में बिहार सेन्ट्रल रिलीफ कमिटी नामक गैरसरकारी संस्था बनायी गयी तथा अथक परिश्रम से स्थिति पर काबू पाने का प्रयास किया गया। विध्वंस को निर्माण में बदल दिया गया और राजेन्द्र बाबू को देशवासियों ने देशरत्न की उपाधि दी। राजेन्द्र बाबू की संगठन क्षमता एवं सेवा परायणता के मद्देनजर 1934 में पहली बार कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। उनकी अध्यक्षता में अक्टूबर 1934 में मुम्बई अधिवेशन में कांग्रेस के पचास वर्ष होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती मनायी गयी। राजेन्द्र बाबू ने अध्यक्ष की हैसियत से हिन्दी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में कांग्रेस का इतिहास लिखवाया तथा देशी राज्यों में देशी राज्य प्रजा मंडल की स्थापना करवायी। त्रिपुरा कांग्रेस अधिवेशन में सुभाषचन्द्र बोस दूसरी बार अध्यक्ष चुने गये, पर गांधीजी से तीव्र विरोध के कारण उन्होंने त्याग-पत्र दे दिया और राजेन्द्र बाबू को दूसरी बार कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने को कहा गया।

सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अन्य शीर्षस्थ नेताओं के साथ राजेन्द्र बाबू भी गिरफ्तार कर लिए गए। 16 जून 1946 को योजना स्वीकार करने के बाद 2 सितम्बर 1946 को तत्कालीन अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में बारह-सदस्यीय मंत्रिमंडल ने शपथ ली जिसमें राजेन्द्र बाबू कृषि एवं खाद्य मंत्री बने। सरकार और कांग्रेस संस्था के बीच प्रधानता के मामले पर मतभेद होने के कारण आचार्य कृपालानी ने 17 नवम्बर 1947 को कांग्रेस अध्यक्ष पद से त्याग-पत्र दे दिया। तब पटेल की पसंद राजेन्द्र प्रसाद को कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया।

16 मई 1946 को घोषित एवं कांग्रेस द्वारा स्वीकार की गयी दीर्घकालीन योजना के अनुसार 9 दिसम्बर 1946 को भारत की संविधान सभा (लोक सभा के केन्द्रीय हॉल में) बैठी। नेहरूजी एन. गोपालस्वामी अयंगार को इसका स्थायी सभापति बनवाना चाहते थे, पर अंततः पटेल की पसंद राजेन्द्र बाबू स्थायी सभापति चुने गए। स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति के मनोनयन हेतु भी सरदार पटेल का आशीर्वाद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को प्राप्त था, परन्तु नेहरू तत्कालीन गवर्नर जेनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को यह जिम्मेवारी दिलवाना चाहते थे। अंततः 24 जनवरी 1950 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से राष्ट्रपति चुने गए और 26 जनवरी 1950 को भारतीय गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति बने।

3 मई 1962 को राष्ट्रपति पद से अवकाश ग्रहण करने के उपरान्त वे सदाकत आश्रम, पटना आ गए। 28 फरवरी 1963 की रात्रि 10 बजे उन्होंने अपने जीवन की अंतिम सांस ली तथा दूसरे दिन दोपहर को पटना के बांसघाट पर उनका नश्वर शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। बारह वर्ष तीन माह सत्रह दिन तक भारतीय गणतंत्र के राष्ट्रपति के पद पर जिन परम्पराओं और संवैधानिक परिपाटियों को राजेन्द्र बाबू ने पोषित किया, वह भारतीय गणराज्य की स्थिरता के लिए सबसे बड़ा योगदान है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्घाटन

वाराणसी में पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने वाराणसी में आयोजित 'सांस्कृतिक पर्यटन पर लघु फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

मानवीय मूल्यों की सशक्त संदेशवाहक हो सकती हैं लघु फिल्में : नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि लघु फिल्में आतंकवाद, युद्ध, असहिष्णुता, ड्रग माफिया, नस्ली हिंसा, साइबर अपराधों की विभीषिका व चुनौती के खिलाफ तथा मानवीय मूल्यों की सशक्त संदेशवाहक साबित हो सकती हैं। नकवी के कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने वाराणसी में 'अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव' के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि कलात्मक फिल्में और लघु फिल्में दुनिया के सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण, पर्यटन, मानव अधिकारों, असहिष्णुता, आतंकवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला अधिकारों तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर कड़ा संदेश देने में सफल रही हैं।नकवी ने कहा, लघु फिल्में आतंकवाद, युद्ध, असहिष्णुता, ड्रग माफिया, नस्ली हिंसा, साइबर अपराधों की विभीषिका और चुनौती के खिलाफ सशक्त संदेशवाहक और मानवीय मूल्यों की बेहतरीन ब्रांड अंबेसेडर साबित हो सकती हैं। नकवी ने कहा कि आज दमदार लघु फिल्मों का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि सामाजिक सरोकार से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर अधिकांश बड़े फिल्म निर्माता एवं मीडिया समूह वाणिज्यिक उद्देश्य को प्राथमिकता दे रहें हैं।

पुरस्कार

कन्नूर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी सांसद केसी वेणुगोपाल और अन्य लोग शुक्रवार को कन्नूर में प्रसिद्ध लेखक टी पद्मनाभन को प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार प्रदान करते हुए।

'भारत के पहले अंटार्कटिका मिशन को बहुत गोपनीय रखा गया था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी। भारत के अंटार्कटिका में अपना पहला वैज्ञानिक आधार स्टेशन स्थापित करने के चालीस साल बाद, मिशन से जुड़े शोधकर्ताओं ने शुक्रवार को याद किया कि कैसे इस ध्रुवीय क्षेत्र में देश के पहले अभियान को उनके प्रशिक्षकों और परिवार के सदस्यों सहित सभी से गुप्त रखा गया था। अंटार्कटिका के लिए पहला भारतीय वैज्ञानिक अभियान 1981 में शुरू किया गया था और इस अभियान में 21 सदस्यीय टीम शामिल थी जिसका नेतृत्व डॉ. एस. जेड कासिम ने किया था। यह अभियान गोवा के तट से शुरू हुआ था। अंटार्कटिका में देश का पहला वैज्ञानिक आधार स्टेशन 'दक्षिण गंगोत्री' 1983 में स्थापित किया गया था। पहले अभियान के सदस्य डॉ. अमिताव सेन गुप्ता ने कहा, ऑपरेशन (अंटार्कटिका पर पहले भारतीय वैज्ञानिक अभियान) को गुप्त रखा गया था। प्रारंभिक बैठकें बंद कमरों में हुई, जिसमें मंत्रिमंडल सचिवों और नौसेना प्रमुख सहित शीर्ष स्तर के अधिकारी शामिल हुए थे। हमें ऐसा लग रहा था जैसे कि हम किसी जेम्स बॉन्ड फिल्म में हों।

उन्होंने यहां से 40 किलोमीटर दूर वास्को शहर में राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) में आयोजित 'अंटार्कटिका दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए याद किया कि कैसे उन्हें और उनकी टीम के साथियों को मिशन से पहले भारतीय नौसेना के जहाज पर प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने कहा, लेकिन असली चुनौती यह थी कि प्रशिक्षकों को यह नहीं पता था कि वे किसलिए प्रशिक्षण दे रहे हैं। कई अनिश्चितताओं के कारण अभियान काफी हद तक गुप्त रहा।

उन्होंने कहा कि मिशन की गोपनीयता इतनी थी कि टीम के सदस्यों को इसके बारे में अपने परिवार को कुछ भी बताने की अनुमति नहीं थी। एक दिसंबर को अंटार्कटिका दिवस 1959 में अंटार्कटिक संधि की वर्षगांठ के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है।

इस मौके पर सेन गुप्ता और इस प्रथम अभियान के अन्य सदस्यों को एनसीपीओआर के निदेशक डॉ. थेम्बन मेलोथ ने सम्मानित किया। मिशन के एक अन्य सदस्य एस. जी. प्रभु मातोंडकर ने कहा कि टीम के साथियों के बीच यह भावना थी कि इस अभियान के लिए राजनीतिक नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन को देखते हुए उन्हें देश को कुछ वापस देना चाहिए। पहले भारतीय वैज्ञानिक अभियान से पहले, भारत के शोधकर्ता सोवियत संघ अंटार्कटिक वैज्ञानिक अभियान का हिस्सा थे।

बिहार में अवैध मदरसों, मस्जिदों की भरमार: गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार में अवैध मदरसों और मस्जिदों की भरमार है जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। राज्य की बेगुसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा नेता सिंह ने इस स्थिति के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को जिम्मेदार ठहराया हुए आरोप लगाया कि दोनों तुष्टिकरण में लगे हुए हैं। नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल बिहार के सत्तारूढ 'महागठबंधन' के मुख्य घटक दल हैं। सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया, ऐसा लगता है कि बिहार में अवैध मदरसों और मस्जिदों की बाढ़ आ गई है। नेपाल और बांग्लादेश की सीमा से सटे इलाकों में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। 'वैसे तो राज्य में मुसलमानों की आबादी लगभग 18 प्रतिशत है, लेकिन इन क्षेत्रों में उनकी संख्या अधिक है। इसके अलावा, राज्य भर में प्रतिबंधित पीएफआई की मजबूत उपस्थिति है।

सिंह के बयान का जदयू ने कड़ा खंडन करते हुए कहा है कि अगर केंद्रीय मंत्री के पास यदि कोई विवरण है तो वह उसे उपलब्ध कराएं। जदयू मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने यहां पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से कहा, केंद्रीय मंत्री का अवैध मदरसों से क्या मतलब है? उन्हें यह एहसास होना चाहिए कि मदरसों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।'

इरफान पठान मेरा इकलौता प्यार था : पायल घोष

मुंबई/एजेन्सी

'प्रायणम' और 'ऊसारवेली' में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस पायल घोष ने चौंकाने वाले दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि सांसद गौतम गंभीर उन्हें लगातार फोन करते थे और पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ही वह इकलौते व्यक्ति हैं, जिनसे वह प्यार करती थी। पायल ने एक्स पर पोस्ट्स की एक सीरीज में लिखी, गौतम गंभीर मुझे लगातार मिस कॉल देते थे और ये बात इरफान पठान बहुत अच्छी तरह से जानते थे। वो मेरी हर कॉल चेक करते थे। उन्होंने ये बात युसूफ भाई, हार्दिक – कुणाल पांड्या को भी बताई थी, जब मैं इरफान से मिलने पुणे गई थी, वहा उस वक्त बड़ौदा का घरेलू मैच चल रहा था।'' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''मेरे पीछे गौतम गंभीर और अक्षय कुमार सब पड़े हुए थे, लेकिन मैं प्यार सिर्फ इरफान पठान से करती थी। मुझे उसके अलावा कोई और दिखता नहीं था और मैं इरफान को सबके बारे में बोलती भी थी, सबके मिस कॉल दिखाती थी, मैंने बस इरफान पठान से ही प्यार किया और किसी से भी नहीं।''पायल ने आगे लिखा, हमारा ब्रेकअप होने के बाद... मैं बीमार पड़ गई... मैं सालों तक काम नहीं कर पाई... लेकिन, वह इकलौता लड़का था, जिससे मैंने प्यार किया था... उसके बाद मैंने कभी किसी से प्यार नहीं किया। उन्होंने कहा, अरे इरफान कब तक मुंह पर दही जमाके रखोगे... कभी तो मेरे काम आओ।

फिल्म 'हम नहीं सुधरेंगे' का फ़र्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

अभिनेत्री चांदनी सिंह की आने वाली फिल्म हम नहीं सुधरेंगे का फ़र्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। निर्माता आनन्द रूंगटा की फ़िल्म हम नही सुधरेंगे का फ़र्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है,जिसमें अभिनेत्री चादनी सिंह अपने माथे पर रखी टोकरी में कुछ लोगों को उठाए लेकर जा रही हैं। निर्माता आनन्द रूंगटा ने फ़िल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को लेकर कहा कि जब हमने फ़िल्म की परिकल्पना की थी तभी हमने सोंच लिया था कि कहीं से भी इसको कॉपी पेस्ट जैसा नहीं रखेंगे , हम ऑरिजनल कन्टेन्ट लेकर आएंगे और कुछ नया करेंगे तो फिर हम पोस्टर पर किसी अन्य को कैसे कॉपी कर सकते हैं । निर्देशक सुनील मांझी ने कहा कि हमने यूनिक कॉन्सेप्ट लिया है तो इसके फ़र्स्ट लुक को भी यूनिक रखना ही हमारा कर्तव्य था। इसको देखकर आप फ़िल्म की कहानी के बारे में सिर्फ प्रिडिक्शन कर सकते हैं, वास्तविकता के लिए आपको फ़िल्म के रीलीजिंग का इंतज़ार तो करना ही पड़ेगा । यह एक क्रिएटिव आइडिया है, और हमलोगों ने जीजान लगाकर इस फ़िल्म को बनाया है । आनन्द रूंगटा के रूंगटा फ़िल्म प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही फ़िल्म हम नहीं सुधरेंगे के लेखक पिंकू दुबे हैं, फ़िल्म हम नही सुधरेंगे के गीत प्यारे लाल यादव, धरम हिंदुस्थानी एवं संदीप साजन ने लिखे हैं जिसका संगीत निर्देशन मधुकर आनन्द एवंओम झा ने किया है।

बंगलादेशी अभिनेत्री जया अहसन का बॉलीवुड में पंकज त्रिपाठी के साथ डेब्यू

मुंबई/वार्ता

बंगलादेश की पांच बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री राष्ट्रीय पुरस्कार की विजेता जया अहसन, जानेमाने अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ अनिरुद्ध रॉय चौधरी के निर्देशन में बनी फिल्म कड़क सिंह से बॉलीवुड में कदम रखेंगी। जया ने पहले बंगाली भाषा में भारतीय फिल्मों में अभिनय किया है और इसके लिए कई पुरस्कार भी जीते हैं। एक मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू करने वाली अभिनेत्री ने 110 से अधिक बंगलादेशी और भारतीय बंगाली फिल्मों, टीवी धारावाहिकों, टेलीफिल्मों और वेब शो में काम किया है और दोनों देशों में फिल्मों का निर्माण किया है। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, आईएफएफआई में प्रदर्शित की गई 'कड़क सिंह' को दर्शकों से खूब सराहना मिली।

जया ने कहा, यह एक विशेष क्षण था – एक ऐसा दिन जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती। पिछले कुछ वर्षों में मेरे काम ने मुझे 32 से अधिक पुरस्कार दिलाए हैं, लेकिन आईएफएफआई का अनुभव महत्वपूर्ण था। मुझे लगता है कि मैं इस नयी यात्रा पर निकलने के लिए भाग्यशाली हूं और इस समय बहुत खुश हूं। यह मेरी पहली हिंदी भाषा की फिल्म है और जैसा कि कहा जाता है 'हजारों मील की यात्रा एक कदम से शुरू होती है'। कड़क सिंह मेरा पहला कदम है।

इस साल आईएफएफआई में जया की चार फिल्में प्रदर्शित की गयीं, जिनमें उनकी पहली ईरानी फिल्म 'फरेश्ता' और उनकी पहली हिंदी फिल्म 'कड़क सिंह' शामिल हैं। अभिनेत्री एक प्रशिक्षित क्लासिक गायिका भी हैं और उनके पास रवीन्द्र संगीत में डिप्लोमा है।

हिंदी सिनेमा में जया की शुरुआत दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है, जो उन्हें एक बहुमुखी अभिनेत्री बनायेगी।

रैली

अगरतला में शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक जागरूकता रैली में भाग लेते स्कूली बच्चे।

पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं पर खुली जगहों को अगले दो साल में पाट दिया जाएगा: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हजारीबाग (झारखंड)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगीं भारत की दो प्रमुख सीमाओं को अगले दो साल में पूरी तरह सुरक्षित बनाया जाएगा और इन दोनों ही मोर्चों पर करीब 60 किलोमीटर क्षेत्र में खुली जगहों को पाटने का काम जारी है। शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां आयोजित समारोह में परेड की सलामी लेने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। गृह मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने केंद्र की सत्ता में आने के बाद से पिछले नौ वर्षों में भारत–पाकिस्तान और भारत–बांग्लादेश सीमाओं के लगभग 560 किलोमीटर हिस्से में बाड़ लगाई है और अंतरालों को पाट दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी और पूर्वी मोर्चे पर इन दोनों सीमाओं पर केवल 60 किलोमीटर क्षेत्र में 'कुछ छोटे–छोटे हिस्से' ही बचे हैं जिन्हें पाटा जा रहा है। शाह ने कहा कि अगले दो साल में हम इन दोनों सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित बना लेंगे। भारत–पाकिस्तान की 2,290 किलोमीटर लंबी सीमा और भारत–बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर जलीय, पर्वतीय और दलदली इलाके हैं और यहां बाड़ लगाना बहुत मुश्किल काम है। ऐसे में बीएसएफ और अन्य एजेंसियां घुसपैठ रोकने के लिए तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल करती हैं।

गृह मंत्री ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि किसी देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं तो वह कभी विकसित और समृद्ध नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देश को चंद्रमा पर पहुंचाया है, जी20 सम्मेलन के साथ पूरे विश्व में देश की ध्वजा फहराई है और अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंचाया है। यह सब सीमाओं की सुरक्षा में तैनात हमारे बीएसएफ जैसे बलों के कारण संभव हो पाया। उन्होंने यहां 'मेरू' प्रशिक्षण शिविर में बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, आप, बीएसएफ इस यात्रा के आवश्यक स्तंभ हैं।

सोशल मीडिया पर छाई रणबीर कपूर की एनिमल

मुंबई/एजेन्सी

रणबीर कपूर की एनिमल साल 2023 की बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित फिल्मों में से एक थी, जो आज सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो गई और इसी के साथ दर्शकों का इंतजार भी खत्म हो गया। वायलेंस और एक्शन से भरी इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की ओर से 5 कट के बाद – सर्टिफिकेट के साथ पास किया था। अब सिनेमाघरों के बाहर रणबीर कपूर की फिल्म देखने वालों की लाइन लग चुकी है। सिनेमाघरों में दर्शकों की जबरदस्त भीड़ है। वहीं जिन दर्शकों ने इस फिल्म का मॉर्निंग शो देखा है उनका कहना है कि यह फिल्म इस वर्ष की मेगा ब्लॉकबस्टर है। सोशल मीडिया पर भी एनिमल को लेकर रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं।

एनिमल की एडवांस बुकिंग से एक बात तो पहले ही तय हो गई थी कि फिल्म रिलीज होने पर फिल्म पर पैसे बारिश की तरह बरसेंगे और सिनेमाहॉल दर्शकों से खचाखच भरे होंगे और अब जब फिल्म रिलीज हो गई है तो कुछ ऐसी ही देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर

यूजर फिल्म का रिव्यू भी शेयर कर रहे हैं। एक यूजर के अनुसार 'एनिमल' इस साल की मेगा ब्लॉकबस्टर होने वाली है। कई यूजर्स ने फिल्म की तारीफ की है।

एक यूजर ने लिखा– ये मास्टरपीस है, इसे देखना मिस ना करें। एक और यूजर ने फिल्म का एक फाइटिंग सीन पोस्ट करते हुए लिखा– इस फाइटिंग सीन ने दर्शकों के बीच धूम मचा दी है और क्या बैकग्राउंड म्यूजिक है। संदीप रेड्डी वांगा सर आपने बैकग्राउंड म्यूजिक से सच में हमे मार डाला। एक और यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा– करीब एक दशक बाद फर्स्ट डे फर्स्ट शो। एनिमल मूवी बड़ी ब्लॉकबस्टर होने वाली है। वांगा ने कमाल कर दिया है। रणबीर की एक्टिंग अलग ही लेबल की। ये एक मस्ट वॉच फिल्म है। एक यूजर ने लिखा– एनिमल देख रहा हूं। मैं बहुत एक्साइटेड भी हूं और बहुत नर्वस भी। उम्मीद है रणबीर कपूर की पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म की तरह ये फिल्म भी अच्छी होगी। शो हाउसफुल है।

सोशल मीडिया पर आ रहे रिव्यूज से एक बात तो जाहिर है कि दर्शकों को रणबीर कपूर की फिल्म काफी पसंद आ रही है। रणबीर के अलावा फिल्म में जिस किरदार की सबसे ज्यादा चर्चा है वह बॉबी देओल हैं, जो फिल्म में विलेन की भूमिका में हैं। बाप–बेटे के रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी में तब मोड़ आता है जब बेटा अपने पिता पर गोली चलाने वालों से बदला लेने के लिए जुनूनी और टॉक्सिक होने लगता है। फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

नयनतारा को जन्मदिन के तोहफे में मिला 3 करोड़ का कीमती गिफ्ट

मुंबई/एजेन्सी

शाहरुख खान के साथ 'जवान' में नजर आईं साउथ एक्ट्रेस नयनतारा का 18 नवंबर को जन्मदिन था। लेकिन उनका बर्थडे सेलिब्रेशन अब तक खत्म नहीं हुआ है। नयनतारा को अपने जन्मदिन का बेहद कीमती गिफ्ट मिला है और ये गिफ्त किसी और ने नहीं, बल्कि उनके पति विग्नेश शिवन ने दिया है। विग्नेस ने नयनतारा को एक लक्जरी मर्सिडीज–बेंज मेबैक दी है। जिसे पाकर एक्ट्रेस बहुत खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नई कार की तस्वीर के साथ खुशी जाहिर की है। नयनतारा ने इसे बेस्ट गिफ्ट बताया है। अपनी कार की तस्वीर के साथ नयनतारा ने लिखा,सबसे प्यारा जन्मदिन का गिफ्ट। इसके साथ ही उन्होंने अपने पति को धन्यवाद किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है,वेलकम होम यू ब्यूटी। मेरे प्यारे पति, सबसे प्यारे जन्मदिन उपहार के लिए धन्यवाद। लव यू। हालांकि इंस्टाग्राम पोस्ट में कार का मॉडल नहीं बताया गया है। लेकिन हम आपको बता दें कि मर्सिडीज–बेंज मेबैक के दो मॉडल भारत में बेचे जाते हैं। इनमें मर्सिडीज–बेंज मेबैक जीएलएस और मेबैक एस–क्लास शामिल हैं और इनमें से दोनों की कीमत 3 करोड़ रुपये से ज्यादा है। नयनतारा और विग्नेश शिवन ने जून 2022 में शादी के बंधन में बंधे थे। जिसमें शाहरुख और रजनीकांत जैसे सितारे भी शामिल हुए थे।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में 'द पावर ऑफ सेल्फ-पावर' शिल्पशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मंगलाचरण एवं नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

ओसबोन रोड में हुई अरिहंत सेवा भक्ति मंडल की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के श्री चन्द्रप्रभु श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ओसबोन रोड की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में श्री अरिहंत सेवा भक्ति मंडल की स्थापना की गई। ओसबोन रोड स्थित जैन मंदिर के बोहरा अराधना भवन में संघ के तत्वावधान में आयोजित सभा में प्रभु भक्ति एवं धर्म सेवा के उद्धेश्य से इस मंडल की स्थापना की गई। संघ पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ सभा में लता सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। प्रेमा जैन, मीना चतुर, रुचि नानेचा, चंचल गुलेच्छा आदि के मंगलाचरण से सभा की विधिवत शुरुआत हुई।

अल्पेश गुरूजी ने नवीन मंडल के सदस्यों को आशीर्वाद देते हुए अधिक से अधिक प्रभु भक्ति से जुड़कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। श्री संघ द्वारा मंडल के पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

चंचल गुलेच्छा को अध्यक्ष, सीमा बोहरा को उपाध्यक्ष, लता सोलंकी को मंत्री, चेतना लुणावत को कोषाध्यक्ष एवं रेखा मेहता को सह मंत्री के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही वीणा बोहरा, मीना चतुर, संजना कावेडिया इत्यादि को कार्यकारिणी में सम्मिलित किया गया। इस अवसर पर श्री संघ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, रमेश बोहरा, जयचंद चतुर, जयचंद लुनावत, महेंद्र सोलंकी, सुरेश बोहरा, किशन बोहरा, नरेश बोहरा इत्यादि ने नवीन मंडल को मार्गदर्शन दिया। वीणा बोहरा ने आभार व्यक्त किया।

आरआरनगर में 'दि पॉवर ऑफ सेल्फ पॉवर' कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में 'द पावर ऑफ सेल्फ-पावर' शिल्पशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मंगलाचरण एवं नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सबका स्वागत किया। मुख्य वक्ता पूजा बोहरा ने कहा अपने अंदर की आत्मशक्ति कैसे जगाएं? आत्मा अपनी तीन शक्तियों जैसे मन बुद्धि और संस्कार के द्वारा अपने भीतर की शक्ति का अनुभव करती है। हम अपने मन की सिर्फ दो प्रतिशत शक्ति का ही उपयोग करते हैं 98 प्रतिशत सुप्त पड़ी है। आत्म शक्ति मनुष्य की एक महत्वपूर्ण मानसिक ताकत है, इस ताकत के माध्यम से व्यक्ति बड़े से बड़े कार्य को कर सकता है।

आत्म शक्ति से परिपूर्ण व्यक्ति शारीरिक व मानसिक दोनों ही तरह से शक्तिशाली व धैर्यवान होते हैं। हम अभय रहकर आत्म शक्ति को जगा सकते हैं। जिसके लिए ध्यान, मौन, मन को शांत रखना, साक्षी भाव में रहकर अपने आप को अपनाना।

इस विषय पर सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया। संयोजन श्वेता कोठारी ने किया। मंत्री पदमा महेर ने सबका आभार ज्ञापित किया। पूर्व अध्यक्ष सरोज बैद ने तत्त्वज्ञान सीखने, अध्यक्ष सुमन पटावरी ने नारीलोक प्रश्नोत्तरी भरने, पदमा महेर ने 26 दिसम्बर को सामूहिक एकलठाणा में नाम लिखाने हेतु विशेष प्रेरणा दी। अल्पाहार के साथ स्वस्थ वातावरण में कार्यशाला संपन्न हुई। लगभग 40 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की संयोजिका इंदु सेठिया, सहसंयोजिका श्वेता कोठारी ने व्यवस्थित संयोजना की।

सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ युवक परिषद् ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए क्यासापुरा गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल रामनगर में पढ़ रहे बच्चों के लिए हनुमानमल संजय कुमार बैद परिवार बेंगलूरु के सहयोग से राशन सामग्री का वितरण करवाया गया। राशन सामग्री में आटा, दाल, चावल, तेल, बिस्कुट आदि चीजें दी गई। परिषद अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने परिषद द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की जानकारी दी एवं बैद परिवार का आभार व्यक्त किया।

उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल का दीपावली स्नेह मिलन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां उत्तर प्रदेश सेवा मण्डल का दीपावली स्नेह मिलन समारोह 'दीपोत्सव' 3 दिसंबर को विजयनगर के कासिया भवन में आयोजित किया गया है जिसमें सेवा मंडल के सदस्य सपरिवार शामिल होंगे।

मंडल के अध्यक्ष केके दुबे एवं सचिव वीके पटेल ने बताया कि दीपोत्सव सायं 5 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक चलेगा। दीपावली स्नेह मिलन की शुरुआत दीप प्रज्ञवलन के साथ होगी और उसके पश्चात दीपावली धमाल में विविध मनोरंजन, गीत-संगीत एवं बच्चों के लिए रोचक कार्यक्रम भी होंगे। स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के पूर्व आवास एवं ढांचागत विकास मंत्री श्री एम. कृष्णप्पा तथा गोविन्दराजनगर के विधायक श्री प्रिया कृष्णा शामिल होंगे।

अपने स्वयं के दोषों को दूर करना चाहिए : साध्वी भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां किलारी रोड के गुरु राजेन्द्र भवन में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि ब्रह्म मुहूर्त में धर्म चिंतन करना चाहिये। संसार में नाना प्रकार के लोग हैं, उनको सुधार नहीं सकते हैं बल्कि स्वयं को सुधरना होगा। हमारे दो चेहरे होते हैं एक पब्लिक को दिखाने वाला जिसमें हम अपने दोष छिपा लेते हैं और दूसरा पर्सनल चेहरा जिसमें अपने दोष स्वयं देखते है, इसलिये हम अपने दोषों को दूर कर लें इसी में स्वयं एवं संसार का हित है।

साध्वीश्री शीतल गुणाश्रीजी ने कहा कि विज्ञान ने हमें गति तो दे दी, लेकिन दिशा नहीं दी। यदि हम गलत जाएंगे तो मंजिल नहीं मिलेगी। जीवन में पहले दिशा होना चाहिए और फिर गति। इसलिए यदि प्रभु से कुछ मांगना हो, तो दिशा को मांगों, क्योंकि यदि सही दिशा मिल गई तो गति भी मिल जाएगी। उन्होंने पैसा, प्रशंसा, प्रसिद्धि और पुरस्कार को गति तो प्रेम, प्रसन्नता, परमार्थ और पवित्रता को दिशा बताया।

मेघराज भंसाली ने बाहर से आए सभी अतिथियों का स्वागत किया। भावना संघवी, अनिता बागरेचा, मधु तातेड, प्रेमा बेन, वीणा जैन, बदामी बाई गोडा, प्रिती गोडा आदि महिलाओं ने लाभ लिया। कांतिलाल गांधीमुथा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजाजीनगर तेरापंथ महिला मंडल का दीपावली स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन में अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री लता नवलखा ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी तथा आगामी कार्यशाला से जुड़ने का आह्वान किया। केंद्र द्वारा निर्देशित मिलेट्स से बने व्यंजन एवं पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं युवतियां कैसे करें मंडल को रोशन पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें काफी युवतियों ने भाग लिया और अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखें। मिलेट्स के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी संयोजिका सुनीता कोठारी के द्वारा दी गई। इस प्रतियोगिता के निर्णायक कनकबाई सुराणा थे। विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता रही युवतियों को पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त बहुत सी प्रतियोगिताएं जैसे हस्तकला, अंताक्षरी का आयोजन किया गया। दीपावली पर आधारित तंबोला गेम का आयोजन किया गया। जिसका संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया।

दिग्गजों जैसी कार्यशैली है जेबीएन टाइकूंस की : प्रमोद बाफना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आज की परिस्थिति में व्यापार को फलने फूलने में गुणवत्ता वाले उत्पाद, तत्काल् सेवा एवं उचित मूल्य के साथ संपर्कों एवं उपयोगकर्ता तक पहुँच बहुत जरूरी है और जेबीएन के सदस्य साथी सदस्य के व्यापारिक हितों की रक्षा करते हुए 'मैं हूँ या मेरे पास है' की भावना से सभी सदस्यों के व्यवसायिक उत्थान को समर्पित है। एक-दूसरे के व्यापार को बढ़ाने में रेफरल देने, मुखजुबानी विज्ञापन करने, जरूरतमन्द उपयोगकर्ता का विवरण देने तथा स्वयं के पास संचित संपर्कों की सूची साझा करने से यह साबित होता है कि जीबीएन के सदस्यों की कार्यशैली दिग्गजों के समानांतर है।

यह बात जीतो बेंगलूरु के सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने होटल ललित अशोक में आयोजित जेबीएन टाइकूंस की सभा में कही। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशैली के कारण ही व्यवसायी जेबीएन से जुड़ने को लालायित रहते है।

टाइकूंस उपाध्यक्ष हर्ष चोरडिया एवं सचिव शैलेश श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में आयोजित सभा की शुरुआत नवकार मंगलाचरण से हुई। कार्यवाहक अध्यक्ष अरिहंत तातेड ने सभी का स्वागत किया। बैठक में आयरन स्टील श्रेणी में प्रवीण बागरेचा, मॉड्यूलर फर्नीचर श्रेणी में विनम्र बाफना व वाटर प्रूफिंग श्रेणी में रजत जैन को नवीन सदस्यों के रूप में टाइकूंस में सम्मिलित किया गया। विनीत जैन ने प्रौद्योगिकी का उपयोग करके व्यवसाय को बढ़ाने पर अंतर्दृष्टि साझा की। प्रत्येक सदस्य ने अपने-अपने व्यवसाय का 30 सेकंड का संक्षिप्त परिचय दिया। सनट्रॉप सोलर के अंकित जैन व पार्श्व कार्ड्स से विमल जैन ने 8 मिनट की ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से 181 रेफरलो व 53 वन टू वन के माध्यम से 1 करोड़ 3 लाख के व्यवसायिक समझौते हुए। राष्ट्रगान से बैठक का समापन हुआ। बैठक में उपस्थित लोगों के बीच नेटवर्किंग को बढ़ावा मिला।

होटल त्रिशला रेसिडेंसी में विवाह स्पेशल प्रदर्शनी में उमड़े लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जिन्स इवेंट्स द्वारा दो दिवसीय विवाह स्पेशल शॉपिंग 'एग्जीबिशन' वीवी पुरम स्थित होटल त्रिशला रेसिडेंसी में प्रारंभ हुआ। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी महेन्द्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि तेरापंथ सभा यशवंतपुर के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, समाजसेवी अशोक जैन, मातृछाया जैन महिला संगठन की अध्यक्ष ललितादेवी पारसमल नागोरी, जिन्स इवेंट्स की दोनों निदेशिका विजया संचेती एवं शीतल कटारिया ने मिलकर किया।

मुणोत ने प्रदर्शनी में स्टॉल का अवलोकन करते हुए उन्होंने जिन्स इवेंट्स के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिन्स इवेंट्स की टीम ने निःसंदेह उत्तम कार्य किया है। महिलाओं को एक मंच पर लाने में जिन्स इवेंट्स की टीम सफल रही है। प्रदर्शनी में 40 स्टॉल लगाई गई जिसमें जैन महिलाओं ने बिक्री के लिए उत्पाद उपलब्ध कराए।

पहले दिन बड़ी संख्या में ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। जिन्स इवेंट्स की निदेशिका विजया संचेती एवं शीतल कटारिया ने बताया कि महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए यह प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक आमजन के लिए खुली रही। इस एक्जीबिशन में डिज़ाइनर सारीस, फैशनेबल ड्रेसेस, इमीटेशन ज्वेलरी, होम एप्लायंसेज, लेडीज एक्सेसरीज, आकर्षक लेडीज बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स, बच्चों के लिए खिलौने आदि स्टाल्स के साथ ही खान पान हेतु स्टाल्स भी लगाए गए। विशेष अतिथि गौतमचंद मुथा ने कहा कि बड़ी प्रसन्नता है कि यहां एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार के उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। अशोक जैन ने महिलाओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए जिन्स इवेंट्स की सराहना की। कविता जैन की भी विशेष उपस्थिति रही। दिलखुश बाफना ने आकर्षक संचालन किया। शनिवार को यह प्रदर्शनी रात्रि 8 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पहल

संत कनकदास की जयंती के मौके पर विजय संभव फाउन्डेशन ने कावेरी अस्पताल कुंदनहल्ली के सहयोग से एक नई पहल की शुरुआत की। इसके अनुसार यहां के चौरसिया मैनर फेज 1 और 2, क्लासिक हॉलमार्क, ब्यू लोट्स श्रृष्टि पैराडाइस, द्वारकामाई और जुपिटर अपार्टमेन्ट के सुरक्षाकर्मियों, स्वच्छता कर्मियों के लिए गिफ्ट बॉक्स दिया गया। डॉ. रवि राजहंस और कावेरी अस्पताल के जनरल मैनेजर सुरेश डी लमानी ने इस पहल की नेतृत्व किया। इसमें बढ़-चढ़कर योगदान देने में कार्यकर्ताओं में चिन्ना और विजय शंकर गुप्ता ने सहयोग दिया। लगभग 50 मिठाई और नमकीन के पैकेट्स सुरक्षाकर्मियों और स्वच्छताकर्मियों को दिए गए।

स्वास्थ्य परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में कर्नाटक फिल्म डायरेक्टर्स संगठन द्वारा प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक पुट्टण्णा कणगल के जन्म दिवस के उपलक्ष में महारानी कॉलेज के निकट स्थित कोंडपा बसप्पा ऑडिटोरियम में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपोलो हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने शिविर में मरीजों की जांच की। मारुति मेडिकल्स की तरफ से नि:शुल्क औषधि वितरित की गई। इस अवसर पर विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत, संघ के अध्यक्ष के विश्वनाथ, उपाध्यक्ष एसके नागेंद्र, जगदीश, बी राममूर्ति, सेबेस्टिन एवं मंजुनाथ उपस्थित थे।

सरल हृदय वाला कभी किसी का गलत नहीं चाहेगा

राणेबेन्नूर/दक्षिण भारत । यहां श्री सुमतीनाथ जैन मंदिर में मुनिश्री मेरुपद्मसागरजी एवं मुनिश्री अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि आप गफलत में न रहे। किसी की मीठी बातों का यह मतलब यह नहीं होता कि आप उसके लिए खास में खास है। कभी-कभी पक्षी को खिलाने के लिए नहीं बल्कि उसे पकड़ने के लिए भी दाने डाले जाते हैं। जिस मनुष्य के हृदय में सच्ची दया हो, उसकी सोच हमेशा यही होगी कि मुझे मिला हुआ दुःख किसी को ना मिले। वह चाहेगा कि मुझे मिला हुआ सुख सबको मिले। सरल और साफ हृदय वाला कभी भी किसी का गलत नहीं चाहेगा। वहीं लोभी और कपटी व्यक्ति ऊपर से कुछ और बात करेगा जबकि उसके मन में कुछ और बात है। कर्म सभी के बंधते हैं। बस फर्क सिर्फ इतना है कि कोई बाहर से सुन्दर है तो कोई भीतर से साफ पाक है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com